हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस
वर्ष : 13 अंक : 61 देहरादून, शुक्रवार, 23 अगस्त, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 8

पेश हुआ धामी सरकार का 5013.05 करोड़ का अनुपूरक बजट 3

भराड़ीसैंण में बनेगा मां भराड़ी देवी का भव्य मंदिर : सीएम धामी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गैरसैण , 23 अगस्त , सीएम पुष्कर सिंह धामी से भराड़ीसैंण स्थित सीएम आवास में जिला चमोली के विभिन्न पत्रकार संगठनों के प्रतिनिधियों, वरिष्ठ पत्रकारों के शिष्टमंडल ने शिष्टाचार भेंट की. इस दौरान सीएम धामी ने पत्रकारों की मांग पर गैरसैंण (भराड़ीसैंण) में पत्रकारों के लिए रेस्टहाउस बनाए जाने की घोषणा की. मुख्यमंत्री ने महानिदेशक सूचना को निर्देशित किया कि इस संबंध में तत्काल कार्ययोजना तैयार की जाए.सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सचिव संस्कृति एवं धर्मस्व हरिचंद्र सेमवाल को निर्देश दिए कि गैरसैंण (भराड़ीसैंण) में मां भराड़ी देवी का भव्य मंदिर बनाया जाए और इसके लिए स्थानीय जनता एवं हितधारक तीर्थ पुरोहितों के सुझाव लिए जाएं.

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि गैरसैंण का सर्वांगीण विकास हो, इसके लिए गैरसैंण (भराड़ीसैंण) भवन में सालभर विभिन्न प्रशिक्षण, वर्कशॉप, सेमिनार कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. उन्होंने कहा कि गैरसैंण में सालभर चलने वाले कार्यक्रमों हेतु सचिव स्तर के अधिकारी को यह जिममेदारी दी जाएगी. उन्होंने कहा कि वर्षभर संचालित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी. गैरसैंण को योग, ध्यान, अध्यात्म के केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाएगा. भराड़ीसैंण में पुलिस आवास का निर्माण कार्य गतिमान है.

सीएम ने की चमोली के लिए बड़ी घोषणाएं

गौर है कि 21 अगस्त को सीएम धामी ने चमोली स्थित कुरुड़ पहुंचकर तीन दिवसीय नंदा देवी लोकजात मेले का शुभारंभ करते हुए नंदानगर, नारायणबगड़ और देवाल में खेल मैदान निर्माण, प्राणमती नदी के दोनों तटों पर सुरक्षा कार्य, थराली के ढाडर बगड़ में बाढ़ सुरक्षा कार्य की घोषणा की थी. इसके अलावा नंदा देवी लोकजात मेले को राजकीय मेला घोषित करना और नंदानगर चिकित्सालय को उप जिला चिकित्सालय में उच्चीकृत करने की भी घोषणा की थी.

उत्तराखंड : 25 अगस्त तक इन जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 अगस्त : मौसम विज्ञान केंद्र के पूर्वानुमान के मुताबिक उत्तराखंड के अधिकांश जिलों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने अगले चौबीस घंटों में राज्य के कई इलाकों में भारी बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड में बारिश इस समय आफत बनकर बरस रही है, जिससे लगातार तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है।कुमाऊँ से लेकर गढ़वाल तक भारी बारिश का सिलसिला जारी है।

चमोली के पगनों गांव में मलबे और पानी से लोग बेहद परेशान हैं। वहीं बीते दिन टिहरी के घनसाली में बादल फटने की घटना ने सभी को डरा दिया, जिसमें दो भवन क्षतिग्रस्त हो गए और मवेशी जिंदा ही मलबे में दब गए। बीती रात दून में करीब साढ़े चार घंटे की लगातार जोरदार बारिश ने शहर से लेकर गांव तक जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। इस बारिश के दौरान एक व्यक्ति की बरसाती नाले में डूबकर मौत हो गई, जबकि एक घर पर पेड़ गिरने से भीतर सो रहे परिवार के छह सदस्य घायल हो गए।

उत्तराखंड के मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार प्रदेश के अधिकांश जिलों में बारिश होने की संभावना है। उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, और अल्मोड़ा के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, टिहरी, देहरादून, पौड़ी, पिथौरागढ़, बागेश्वर, चंपावत, नैनीताल, उधम सिंह नगर और हरिद्वार जिलों के अधिकांश क्षेत्रों में भी बारिश होने का अनुमान है। आईएमडी ने मौसम का पूर्वानुमान जारी करते हुए 25 अगस्त तक उत्तराखंड में भारी बारिश की संभावना व्यक्त की है।

गैरसैंण के सारकोट गांव में शहीद के घर पहुँचे मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

■ लेह-लद्दाख में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए हवलदार बसुदेव सिंह

गैरसैण , 23 अगस्त , गाँव के बरसाती पानी से भरे खेतों , कच्चे रास्तों और पगडंडियों से गुजर कर जब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गैरसैंण स्थित सारकोट में लेह-लद्दाख में ड्यूटी के दौरान शहीद हवलदार बसुदेव सिंह के पैतृक घर की सीढ़ियां चढ़कर गमगीन परिजनों के सामने आये तो लोगों को सहसा यकीन नहीं हुआ की उनके सामने सरकार खड़ी है। हाँथ जोड़े विनम्रता से सीएम धामी ने परिवार के लोगों से शोक संवेदना प्रकट और शहीद परिवार को हर सम्भव मदद का भरोसा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हवलदार बसुदेव सिंह ने देश की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है, जिसके लिये पूरा देश उनका ऋणी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार शहीद के परिजनों के साथ खड़ी है। उन्होंने शहीद हवलदार के परिजनों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया।

नैटवाड़ सांकरी जखोल मोटर मार्ग के सुदृढीकरण कार्य को संस्तुति मिलने पर पुरोला विधायक ने जताया सीएम का आभार

देहरादून। जनपद उत्तरकाशी के विकासखण्ड मोरी के मोरी नैटवाड़ सांकरी जखोल मोटर मार्ग (राज्य मार्ग सं0 48) का हॉटमिक्स/ एफ०डी०आर० तकनीक द्वारा सुदृढीकरण का कार्य (लम्बाई 42.15 किमी) को संस्तुति प्रदान किए जाने पर पुरोला विधायक दुर्गेश्वर लाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भराड़ीसैंण में भेंट कर क्षेत्रीय जनता की ओर से उनका आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग का सुदृढ़ीकरण कार्य होने से स्थानीय जनता को आवागमन में काफी सहूलियत होगी। विधायक दुर्गेश्वर लाल ने कहा कि पिछले लंबे समय से उक्त मार्ग के सुदृढीकरण कार्य की स्थानीय जनता की ओर से मांग उठाई जा रही थी, जिस पर मुख्यमंत्री ने जनभावनाओं के अनुरूप उक्त सुदृढ़ीकरण कार्य की घोषणा की थी। विदित है कि विधानसभा गैरसैंण (भराड़ीसैंण) में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में विगत दिवस हुई व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक में जनपद उत्तरकाशी के विकासखण्ड मोरी के मोरी नैटवाड़ सांकरी जखोल मोटर मार्ग (राज्य मार्ग सं0 48) का हॉटमिक्स/ एफ०डी०आर० तकनीक द्वारा सुदृढीकरण का कार्य (लम्बाई 42.15 किमी) को संस्तुति प्रदान की गई थी।

स्कूल बस का 'रंग' क्यों होता है 'पीला, जानिए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 अगस्त : सामान्य ज्ञान वह ज्ञान है जो हमें अपने आसपास की चीज़ों के प्रति जागरूक करता है. कई बार तो परीक्षा में ये हमारे काम आता है तो कई बार ग्रुप में बैठे लोगों को प्रभावित करने में भी ये हमारी मदद करता है. ये हमारे विवेक को भी दर्शाता है.अगर आप किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको पता ही होगा कि सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में Gk पूछा जाता है. हमारे मानसिक विकास के लिए भी सामान्य ज्ञान एक अच्छी प्रैक्टिस है। कई बार हम बड़ी-बड़ी चीज़ें तो जानते हैं लेकिन काफी समय से अपने आसपास बिखरी हुई चीज़ें नहीं देख पाते. जब हमसे इस मामले में कोई सवाल पूछा जाता है, तो हम अपना सिर खुजाते रह जाते हैं.रंगों को लेकर हमारे मन में कई सवाल होते हैं. उदाहरण के लिए, कौन सा रंग किस बात का प्रतीक है, या फिर कौन सा रंग अच्छा है और क्यों कौन सा रंग इस्तेमाल किया जाता है।

दरअसल रंग सिर्फ खूबसूरत नहीं दिखते, इसके पीछे भी एक संदेश छिपा हुआ होता है.हम जानते हैं कि सफेद रंग का प्रयोग शांति को दर्शाने के लिए किया जाता है, लाल रंग का प्रयोग खतरे को दर्शाने के लिए किया जाता है. पर क्या आपने कभी गौर किया है कि स्कूल बस का रंग पीला होता है, तो इसके पीछे क्या वजह होगी। स्कूल बसें लाल या नीली क्यों नहीं होतीं? या फिर हरी और बैंगनी क्यों नहीं? इतने सारे रंगों में से सिर्फ पीला रंग ही क्यों चुना गया है? इसके पीछे क्या रहस्य हो सकता है। दरअसल स्कूल बस का रंग पीला होने के पीछे एक वैज्ञानिक कारण भी है. पीला रंग अन्य रंगों की अपेक्षा अलग से दिखाई देता है. दुर्घटनाओं से बचने के लिए स्कूल बसों को मुख्य रूप से पीले रंग से रंगा जाता है. हम सभी को पता है कि लाल रंग की तरंगदैर्ध्य 650 नैनोमीटर होती है और ये सबसे दूर से दिखाई देता है. वहीं पीले रंग की तरंग धैर्य 580 नैनोमीटर है, फिर भी इसे स्कूल बस के लिए क्यों इस्तेमाल करते हैं।

इसके पीछे भी एक वजह है. ऐसा 'लैटरल पेरिफेरल विजन' की वजह से होता है, जिसे संक्षेप में 'एलपीवी' कहा जाता है. पीले रंग के लिए ये 'एलपीवी' लाल रंग की तुलना में 1.24 गुना ज्यादा होता है. ऐसे में इसकी दृश्यता और आकर्षण लाल रंग की तुलना में

ज्यादा है.डिस्क्लेमरः यह रिपोर्ट केवल सूचनात्मक उद्देश्यों के लिए है. सारी जानकारी इंटरनेट पर मौजूद अलग-अलग वेबसाइटों पर उपलब्ध जानकारी से लिया गया है. इसके बारे में अधिक जानकारी के लिए किसी विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें। ये रंग बारिश और कोहरे में भी दूर से आसानी से दिखाई देता है. इसलिए भले ही कोई स्कूल बस सीधी नज़र में न हो, अपने पीले रंग के कारण उसे आसानी से देखा जा सकेगा. यही वजह है इन्हें किसी और रंग में नहीं रंगा जाता।

ऑनलाइन बिक रही 'शैतानी' गुड़िया, Haunted Doll की कहानी सुनकर कांप गए लोग

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 23 अगस्त : फिल्मों में 'भूतिया' और 'शैतानी' गुड़िया को देखना एक बात है, लेकिन जब असल जिंदगी में ऐसा कुछ सामने आता है तो यह और भी अधिक भयावह लगता है. इन दिनों ऐसी ही एक डॉल खूब चर्चा में है, जिसे 'भूतिया' बताया जा रहा है. हैरान करने वाली बात तो ये है कि इस गुड़िया को ई कॉमर्स साइट eBay पर बेचने के लिए लिस्ट किया गया है, जिसकी कहानी किसी हॉरर फिल्म की कहानी से कम नहीं लगती।

इस गुड़िया के बारे में विक्रेता ने ऐसी कहानी बताई कि जानकर हर कोई सहम गया है. विक्रेता के अनुसार, गुड़िया का नाम एस्टर है, जिसे अमेरिका के साउथ कैरोलिना में एक महिला की प्रॉपर्टी की नीलामी के दौरान खरीदा गया था. दावा है कि महिला एक चुड़ैल थी, जिससे शहर के अधिकांश लोग खौफ खाते थे. महिला के पति की आसामान्य परिस्थितियों में मौत हो जाने के बाद वह 25 वर्षों तक अकेली रही थी।

पोस्ट में लिखा है कि उस महिला के पास लगभग 15 गुड़िया थीं, जिनके बारे में कहा जाता था कि वह उनका उपयोग अनुष्ठानों में करती थी. इनमें से आठ अब विक्रेता के पास है. विक्रेता का कहना है कि एस्टर उसकी पसंदीदा डॉल में से एक है. प्रेतवाधित गुड़िया होने के बावजूद वह उसके प्रति खुद को बहुत आकर्षित महसूस करता है।

विक्रेता ने आगे बताया कि ऐसा कहा जाता है कि एस्टर एक 15 साल की लड़की थी, जिसकी 1881 में मृत्यु हो गई थी. वह मानसिक बीमारी से पीड़ित थी और उसका स्वभाव काफी डरा देने वाला था. वह अक्सर दीवारों पर अपना सिर पीटती रहती थी. ज्यादातर बार उसे रोकना पड़ता था. ऐसा बताया जाता है कि किसी अन्य मरीज के हाथों एस्टर की मौत हो गई, जिसका कहना था कि वह एक बुरी आत्मा थी, और उसका मर जाना ही अच्छा था. इस गुड़िया में एस्टर की ही आत्मा है।

पोस्ट में यह भी दावा किया गया है कि इस गुड़िया की वजह से आपको भारी सिरदर्द, जी मिचलाना, छायादार आंकड़ों का दिखना, किसी के चीखने की आवाज सुनाई देना, वस्तुओं का इधर-उधर खुद से खिसक जाना, कदमों की आहट, और धीमी आवाज में फुसफुसाने जैसा अनुभव हो सकता है।

विक्रेता ने इस भूतिया गुड़िया की कीमत 100 डॉलर (यानि 8,391.81 रुपये) रखी है, जिसे अभी बुक करने पर 30 सितंबर से 18 अक्टूबर के दौरान डिलीवर कर दिया जाएगा. इसके साथ 30 दिन की रिटर्न पॉलिसी भी है.

ब्लॉक प्रमुख ने किया पुस्कालय का शुभारंभ

नई टिहरी।प्रतापनगर ब्लॉक प्रमुख प्रदीप रमोला ने राइंका कोटालगांव में पुस्तकालय का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय ज्ञान एंव बौद्धिक गतिविधियों का केंद्र होते हैं। छात्र-छात्राओं को स्कूल में पढ़ाई के साथ ही विभिन्न प्रतियोगी पुस्तकों का अध्ययन कर बेहतर भविष्य की तैयारी करनी चाहिए। इस मौके पर प्रमुख रमोला ने राइंका गलियाखेत व कोटालगांव में पुस्कालय के लिए आलमारियां, नीट, जेई, नेट, पीसीएस, डी-फार्मा, बीएससी नर्सिंग आदि प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित पुस्तकें भी उपलब्ध कराई। प्रमुख ने कहा कि शीघ्र ही क्षेत्र के अन्य इंटर कॉलजों को भी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। मौके पर प्रधानाचार्य दिवाकर पैन्यूली, बिजेंद्र पैन्यूली, क्षेपंस हरि प्रसाद डिमरी, पीटीए अध्यक्ष मानवेंद्र सिह पंवार, दयाल सिह सजवाण, नीरज पैन्यूली, पदम लाल, राकेश पोखरियाल, भागवत सिंह रावत, रेनू राणा, शीतल, बीरेंद्र सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

संस्कृत सप्ताह के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

श्रीनगर गढ़वाल। जयदयाल अग्रवाल संस्कृत विद्यालय में संस्कृत सप्ताह के समापन पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों के लिए संस्कृत श्लोकोच्चारण, संस्कृत समूह गान तथा संस्कृत गीत प्रतियोगिता आयोजित हुई। विद्यालय के प्रधानाचार्य जगदीश प्रसाद सकलानी ने छात्र-छात्राओं को संस्कृत भाषा का महत्व समझाया। उन्होंने विद्यालय के छात्रों को ऐसे कार्यक्रमों के प्रति प्रेरित करते हुए इस भाषा के सन्दर्भ में सभी छात्रों का ध्यान आक्रर्षित करते हुए जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम् के साथ ही विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम में विभिन्न सस्थाओं ने अपना सहयोग प्रदान किया। मौके पर विद्यालय के प्रबन्धक हरीश अग्रवाल, द्वारिका प्रसाद कपरूवाण, सुनील प्रसाद फोन्दणी, गिरीश चन्द्र डिमरी, मुकेश प्रसाद पंत, दीपकराज नौटियाल, संगीता भट्ट, हरीश प्रसाद पैन्यूली, ज्योति रावत, नरेश दत्त पेटवाल, दीपक कुमार आदि मौजूद थे।

गढ़वाल विवि में आईटीपी पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल विवि में आगामी 2024-25 के शैक्षणिक सत्र के लिए 4 वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) में प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गयी है। गढ़वाल विवि के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. महावीर सिंह नेगी ने बताया कि 4 वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी)के तहत बीए बीएड, बीएससी बीएड और बीकाम बीएड (माध्यमिक) के लिए समर्थ पोर्टल पर पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की गई है। बताया कि एनटीए की ओर से आयोजित सीयूईटी परीक्षा देने वाले छात्र-छात्राएं ही प्रवेश के लिए 28 अगस्त तक पंजीकरण कर सकते हैं। बताया कि https://hnbgucuet.samarth.edu.in/ncet/ इस लिंक पर अपना फार्म भर सकते हैं।

गौचर में कांग्रेसियों का धरना जारी

चमोली। गौचर नगर सहित रानीगढ पट्टी, सारी, बिजराकोट, दसझुला क्षेत्र, रानौ, क्वीठी, कांडा, तोली, गैलुग, बमोथ, सूगी, करछूना, कुमेड़ा, गडूना व सरमोला गांवों की समस्याओं के निराकरण के लिए 16 सूत्रीय मांगों को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी गौचर का धरना गुरुवार को भी जारी रहा। आंदोलन को बिजराकोट के प्रधान सुरेंद्र कुमार, क्वीठी के प्रधान सूरज रावत, व्यापार मंडल अध्यक्ष ने अपना समर्थन दिया।

संस्कृत सप्ताह के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित

श्रीनगर गढ़वाल। जयदयाल अग्रवाल संस्कृत विद्यालय में संस्कृत सप्ताह के समापन पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों के लिए संस्कृत श्लोकोच्चारण, संस्कृत समूह गान तथा संस्कृत गीत प्रतियोगिता आयोजित हुई। विद्यालय के प्रधानाचार्य जगदीश प्रसाद सकलानी ने छात्र-छात्राओं को संस्कृत भाषा का महत्व समझाया। उन्होंने विद्यालय के छात्रों को ऐसे कार्यक्रमों के प्रति प्रेरित करते हुए इस भाषा के सन्दर्भ में सभी छात्रों का ध्यान आक्रर्षित करते हुए जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम् के साथ ही विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं के प्रयास की सराहना की। कार्यक्रम में विभिन्न सस्थाओं ने अपना सहयोग प्रदान किया। मौके पर विद्यालय के प्रबन्धक हरीश अग्रवाल, द्वारिका प्रसाद कपरूवाण, सुनील प्रसाद फोन्दणी, गिरीश चन्द्र डिमरी, मुकेश प्रसाद पंत, दीपकराज नौटियाल, संगीता भट्ट, हरीश प्रसाद पैन्यूली, ज्योति रावत, नरेश दत्त पेटवाल, दीपक कुमार आदि मौजूद थे।

करियर काउंसलिंग का आयोजन किया

चमोली। पीजी कॉलेज कर्णप्रयाग में करियर काउंसलिंग समिति ने हिमालयन इंस्टीट्यूट आफ एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी जिलांसू के सहयोग से स्किल एंड पर्सनैलिटी डेवलपमेंट विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया। मुख्य वक्ता कैलाशचंद्र मंजखोला ने प्रभावी संचार एवं व्यक्तित्व विकास के व्यावसायिक दुनिया में महत्व पर अपने विचार साझा किये । महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. वीएन खाली में कहा कि संगोष्ठी से लाभान्वित होकर छात्र-छात्राओं को भविष्य में बेहतर करियर बनाने में सहायता मिलेगी । कार्यक्रम का संचालन डा.हरीशचंद्र रतूड़ी ने किया । मौके पर डा. कविता पाठक, डा. शीतल देशवाल, डा. मृगांक मलासी, डा. चंद्रमोहन जन्स्वान, डा. कीर्तिराम डंगवाल, डा. नरेंद्र पंघाल, डा. शालिनी सैनी, डा. दिशा शर्मा, डा. अखिलेश कुकरेती, डा.हरीश बहुगुणा, डा. नेतराम, डा. हिना नौटियाल मौजूद रहे ।

पौड़ी में चार हुड़दंगी युवकों का चालान

पौड़ी। कोतवाली क्षेत्र पौड़ी के एक गांव के समीप चार युवकों ने शराब के नशे में जमकर हुडदंग मचाया। ग्रामीणों की शिकायत पर मौके पर पहुंची पुलिस ने चारों युवकों का विभिन्न धाराओं में चालान कर कार को सीज कर दिया है। मेडिकल रिपोर्ट में युवकों के शराब के नशे में होने की पुष्टि हो गई है। कोतवाल पौड़ी ने कहा कि शराब के नशे में हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है।

पेश हुआ धामी सरकार का 5013.05 करोड़ का अनुपूरक बजट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गैरसैण , 23 अगस्त , उत्तराखंड विधानसभा के दूसरे दिन वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने सदन में वर्ष 2024-25 का 5013.05 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश किया. इस अनुपूरक बजट में 1256.16 करोड़ पूंजीगत विकास के लिए रखा गया है. यानी की इस बजट से अवस्थापना विकास कार्य किए जाएंगे. वहीं सरकार चलाने के लिए खर्च आने वाले राजस्व पक्ष में 3756.89 करोड़ रुपए रखे गए हैं, जबकि केंद्रीय पोशाक योजनाओं के लिए यानी सेंट्रल फंडेड प्रोजेक्ट में 1531.65 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है.आइये आपको विभागवार बताते हैं पूरे बजट का लेखा जोखा -

यह है अनुपूरक बजट के महत्वपूर्ण बिंदु

आपदा प्रबंबध विभाग के अंर्तगत एसडीआरएफ हेतु 718.40 करोड़ रुपए मिले.समग्र शिक्षा के अंतर्गत 697.90 करोड़ रुपए मिले.एसडीएमएफ के अंतर्गत 229.6 करोड़ रुपए मिले.सूचना विभाग के अंतर्गत 225 करोड़ रुपए मिले.शहरी विकास के अंतर्गत नगरीय अवस्थापना के सुदृढ़ीकरण हेतु बाह्य सहायतित योजनाओं में 192.00 करोड़ रुपए मिले.पेयजल विभाग में सिवरेज मैनेजमेंट कार्यों हेतु धनराशि के रिंग फेंसिंग किये जाने हेतु 120 करोड़ रुपए मिले.गैर सरकारी महाविद्यालयों को सहायता अनुदान के लिए 100.03 करोड़ रुपए मिले.अटल आयुष्मान उत्तराखणंड योजना (पेंशनर) के अंतर्गत 100 करोड़ रुपए मिले.

शहरी विकास के अंतर्गत ईडब्ल्यूएस आवासों हेतु 96.76 करोड़ रुपए मिले.वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अंतर्गत लगभग 130 करोड़ रुपए मिले.अग्निशमन सेवाओं का विस्तार एवं आधुनिकीकरण के अंतर्गत 71 करोड़ रुपए मिले.मातृत्व लाभ योजना (प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना) मिशन शक्ति-सार्मथ्य के अंतर्गत 70 करोड़ रुपए मिले.यूनिटी मॉल / प्लाजा निर्माण के अंतर्गत 69 करोड़ रुपए मिले.यू जेवीएनएल में ऋण (एसएएससीआई) के अंतर्गत 61 करोड़ रुपए मिले.यूपीसीएल परियोजनाओं हेतु ऋण (एसएएससीआई) के अंतर्गत 61 करोड़ रुपए मिले.उत्तराखंड निवेश एवं आधिकारिक संरचना विकास निधि (यूआईआईडीएफ) के अंतर्गत 52 करोड़ रुपए मिले.अटल आयुष्मान उत्तराखंड योजना के अंतर्गत 50 करोड़ रुपए मिले.प्रदेश के मार्गों / पुलियों का अनुरक्षण कार्य के अंतर्गत 50 करोड़ रुपए मिले.नाबार्ड पोषित मार्गों / पुलियों का अनुरक्षण हेतु 50 करोड़ रुपए मिले.पीएमजीएसवाई से बनी सड़कों का अनुरक्षण के अंतर्गत 50 करोड़ रुपए मिले.टिहरी झील के विकास हेतु 50 करोड़ रुपए मिले.स्थानीय निकायों व पंचायती राज अधिष्ठानों को समनुदेशन के अंतर्गत लगभग 46 करोड़ रुपए मिले.प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के अंतर्गत 40.95 करोड़ रुपए मिले.नाबार्ड पोषित लघु सिंचाई योजनाओं के अंतर्गत 40 करोड़ रुपए मिले.विभिन्न विभागों के अंतर्गत पीएम जनमन योजना हेतु लगभग 44.11 करोड़ रुपए मिले.

प्रधानमंत्री आवास योजना वन टाइम लोन के अंतर्गत 35.83 करोड़ रुपए मिले.एनईपी के अंतर्गत पीएम श्री योजना के अंतर्गत 76.22 करोड़ रुपए मिले.गौ सदन के निमार्ण हेतु 32 करोड़ रुपए मिले.राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत 36.18 करोड़ रुपए मिले.स्टांप एवं पंजीकरण विभाग के अंतर्गत 27.58 करोड़ रुपए मिले.JVNAL में निवेश के लिए (SASCI) 26 करोड़ रुपए मिलेUPCL परियोजनाओ में निवेश (SASCI) अंतर्गत 26 करोड़ मिले.राज्य संपत्ति विभाग द्वारा आवासीय / अनावासीय भवन निर्माण के अंतर्गत 25 करोड़ मिले.पुलिस कर्मियों के लिए आवास हेतु 25 करोड़ रुपए मिले.नर्सिंग कॉलेजों की स्थापना (अनावासीय) के अंतर्गत 25 करोड़ रुपए मिले.सहकारी, सार्वजनिक एवं सहकारी क्षेत्र की चीनी मिलो को पीपीपी हेतु वीजीएफ अंतर्गत 25 करोड़ रुपए मिले.सिंचाई विभाग में अन्य रख-रखाव की मद के अंतर्गत 25 करोड़ रुपए मिले.वनों की सुरक्षा एव प्रबंधन के अंतर्गत 25 करोड़ रुपए मिले.

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना हेतु 20 करोड़ मिले.उत्तराखंड जलवायु अनुकूल बारानी कृषि परियोजना हेतु लगभग 20 करोड़ रुपए मिले.डेरी विकास परियोजना हेतु रिवाल्विंग फंड हेतु 15.00 करोड़ रुपए मिले.हाउस ऑफ हिमालयाज को एक सशक्त ब्रान्ड के रूप में स्थापित करने हेतु 10.00 करोड़ रुपए मिले.पर्वतीय मार्गों में परिवहन निगम द्वारा बस संचालन के फलस्वरूप होने वाली हानि की प्रतिपूर्ति हेतु 15 करोड़ रुपए मिले.परिवहन निगमों की बसों में निर्धारित श्रेणियों के यात्रियों हेतु निशुल्क यात्रा सुविधा हेतु 12 करोड़ रुपए मिले.प्रदेश के समस्त जनपदों में हवाई संपर्क सैचुरेशन हेतु उड़ान योजना के अंतर्गत 10.00 करोड़ रुपए मिले.साईलेज एवं दुधारू पशु पोषण योजना हेतु 10 करोड़ रुपए मिले.मुख्यमंत्री बाल एवं महिला बहुमुखी विकास निधि अंतर्गत 8.00 करोड़ रुपए मिले.सेतु आयोग हेतु 7.80 करोड़ रुपए मिले.

काशीपुर में शॉपिंग कॉम्प्लेक्स के निर्माण हेतु 5.75 करोड़ रुपए मिले.मुख्यमंत्री उड़न खटोला योजना के अंतर्गत 5.00 करोड़ रुपए मिले.विद्या समीक्षा केन्द्र हेतु 5.00 करोड़ रुपए मिले.राजकीय वृद्ध आश्रम का भवन निर्माण हेतु 5.00 करोड़ रुपए मिले.पीएमई बस सेवा स्कीम अंतर्गत देहरादून एवं हरिद्वार में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन हेतु लगभग 5.00 करोड़ रुपए मिले.आईस स्केटिंग रिंग के संचालन हेतु एक बारगी (वन टाईम) अनुदान के रूप में 5.00 करोड़ रुपए मिले.मुख्यमंत्री महिला पोषण योजना हेतु 6 करोड़ रुपए मिले.मुख्यमंत्री आंचल अमृत योजना हेतु 2 करोड़ रुपए मिले.वर्ल्ड आयुर्वेदा कांग्रेस एवं एक्सपों के आयोजन हेतु 2 करोड़ रुपए मिले.प्रधानमंत्री मातृत्व योजना हेतु लगभग लगभग 1.44 करोड़ रुपए मिले.

कृषि एवं उद्यान विभाग में 637 पदों की भर्ती से रोक हटी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 अगस्त : उत्तराखंड लोकसेवा आयोग द्वारा वर्ष 2023 में आयोजित की गई कृषि एवं उद्यान विभाग के समूह-ग के रिक्त 637 पदों की भर्ती प्रक्रिया के अंतिम परिणामों पर लगी रोक पर अब माननीय उच्च न्यायालय द्वारा परिणाम जारी करने के लिए हरी झंडी दे दी है।

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बयान में कहा कि जुलाई माह में कृषि एवं उद्यान विभाग की समूह-ग रिक्त पदों पर की गई भर्ती परिणामों के संबंध में न्याय और विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रकरण में अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए न्याय संगत निर्णय कर माननीय उच्च न्यायालय में सरकार का पक्ष रखने के निर्देश दिए गए थे। जिसके क्रम में माननीय उच्च न्यायालय द्वारा भर्ती परिणामों को हरी झंडी दे दी गई है, और शीघ्र ही कृषि एवं उद्यान विभाग के समूह-ग के रिक्त 637 पदों का परिणाम जारी किया जाएगा। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने माननीय उच्च न्यायालय का भी आभार व्यक्त किया।

सहायक कृषि अधिकारी वर्ग 03 के 354 पद, उद्यान पर्यवेक्षक 245 और सहायक उद्यान अधिकारी 38 कुल 637 नए अधिकारी कर्मचारी कृषि एवं उद्यान विभाग को मिलेंगे।

हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में रैली निकाली

नई टिहरी ।नरेंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र के गजा में विश्व हिन्दू परिषद सहित स्थानीय लोगों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में गुरुवार को रैली निकाली। उन्होंने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर इस ओर सकारात्मक कार्यवाही कर वहां के हिंदुओं की रक्षा में कठोर कदम उठाने की मांग की। गुरुवार को विहिप के प्रखंड अध्यक्ष रवि रावत, महामंत्री गजेंद्र सिंह चौहान की अगुवाई में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में हिंदू संगठनों और स्थानीय लोगों ने गजा बाजार से तहसील कार्यालय तक रैली निकाली। हाथ में तिरंगा लेकर लोगों ने बांग्लादेश में हिंदुओं की रक्षा के लिए आवाज उठाई। मनजीत सिंह रावत, नगर पंचायत की निवर्तमान अध्यक्ष मीना खाती, भाजपा जिला मंत्री गजेंद्र खाती, व्यापार सभा अध्यक्ष विनोद चौहान, दिनेश खाती, मनीष रावत, अमित चौहान आने ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। अंतरिम सरकार बनने के बाद भी वहां पर हिंदुओं का कत्लेआम किया जा रहा है। कहा कि भारत में भी हिंदू बहन-बेटियों के साथ रेप और मर्डर जैसी घटनाएं हो रही हैं। जिस पर भारत सरकार को सख्त एक्शन लेना चाहिए। इस मौके पर जोत सिंह असवाल, विनेश चौहान, ऋषि राम, गंभीर नयाल, पूरन चौहान, शैलेंद्र चौहान, आशीष चौहान, पुष्प पाल खाती, रविंद्र रावत मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

आपदा में लापता लोगों की तलाश जारी

रुद्रप्रयाग ।बीती 31 जुलाई को केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग में आई आपदा में कुछ संभावित लापता लोगों की पुलिस द्वारा लगातार तलाश की जा रही है। हालांकि यह भी संभावना जताई जा रही है कि जिन लोगों की गुमशुदगी पुलिस के पास दर्ज हुई है उनकी मलबे में दबने की आशंका हो सकती है। किंतु इस सबके बाद पुलिस लगातार खोजबीन में जुटी है। जल पुलिस की दो टीमें सोनप्रयाग से लिंचौली और सोनप्रयाग से कुंड तक निरंतर खोजबीन कर रही है। केदारनाथ पैदल मार्ग में लिंचौली में आई आपदा के चलते 5 अगस्त तक 4 शव बरामद हो चुके थे। जबकि पुलिस को 23 लोगों द्वारा गुमशुदगी दर्ज कराई गई। जिनमें से 3 शव और बरामद हुए जिनकी शिनाख्त भी हो गई थी। घटना में अभी तक कुल 7 शव बरामद हुए है। जबकि 20 लोगों का अभी भी कोई पता नहीं लग पाया है। पुलिस के साथ ही एसडीआरएफ, जल पुलिस लगातार खोजबीन में लगी है। सोनप्रयाग कोतवाली प्रभारी देवेंद्र असवाल ने बताया कि जल पुलिस की एक टीम सोनप्रयाग से लिंचौली और दूसरी टीम सोनप्रयाग से कुंड तक खोजबीन कर रही है। साथ ही पैदल मार्ग पर एसडीआरएफ भी खोजबीन कर रही है। इधर, लापता लोगों के परिजन अपनों की तलाश को लेकर लगातार पुलिस से जानकारी ले रहे हैं।

देवप्रयाग के पंतगांव में भारी बारिश से मकान ढहा

नई टिहरी ।ऋषिकेश-बदरीनाथ राजमार्ग स्थित पंतगांव में गुरुवार तड़के भारी बारिश से तीन मंजिला घर का आधा हिस्सा भर भराकर ढह गया। घटना के समय तेज आवाज होने के बाद पर घर के अंदर सोई महिला ने बाहर भागकर अपनी जान बचाई। वहीं आधे हिस्से में स्थित बरामदे में सोया उसका पति और बेटा इसकी चपेट में आने से बच गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पंतगांव निवासी स्व. रामानंद पांडे के पुराने मकान का आधा हिस्सा गुरुवार तड़के भारी बारिश से भरभरा कर गिर गया। घटना के समय उनकी बहू 47 वर्षीय शशि पांडे दूसरी मंजिल में सोई थी। पहली मंजिल गिरने की भारी आवाज से उसकी नींद खुल गई और उन्होंने बाहर के लिए दौड़ लगा दी। थोड़ी देर में दूसरी मंजिल का आधा हिस्सा भी ढह गया। वहीं बरामदे में सोने से उसके पति द्वारिका प्रसाद और बेटा आयुष मलबे की चपेट में आने से बच गए। परिवार का खाने पीने का सामान, कपड़े व जरूरी दस्तावेज मलबे में दब गए। सूचना पर राजस्व निरीक्षक मदन लाल व उप निरीक्षक तोता सिंह मौके पर पहुंचे। राजस्व निरीक्षक ने बताया कि पीड़ित परिवार को हुए नुकसान का जायजा लेने के बाद उन्हें अनुमन्य सहायता दी जाएगी।

हिंदी दैनिक
न्यूज़ वायरस

विभागवार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होगा : मुख्य सूचना आयुक्त

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 अगस्त , राज्य में सूचना का अधिकार अधिनियम को बेहतर ढंग से लागू करने के लिए लोक सूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। राज्य सूचना आयोग 12 अक्टूबर को आरटीआई दिवस के अवसर पर सूचना के अनुरोध पत्रों का बेहतर निस्तारण करने वाले पांच लोक सूचना अधिकारियों और प्रथम अपील का बेहतर निस्तारण करने वाले तीन अपीलीय अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही आरटीआई दिवस के मौके पर राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता और परिचर्चा कार्यक्रम का भी आयोजन किया जाएगा।

दरअसल, सूचना आयोग के भविष्य की योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी को लेकर प्रभारी मुख्य सूचना आयुक्त विपिन चंद्र शर्मा ने बताया कि जनता के सूचना अनुरोध पत्रों के निस्तारण में आने वाली व्यवहारिक दिक्कतों से निपटने और अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी उपलब्ध कराने के लिए आयोग मुख्यालय में हर माह विभागवार दो कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। साथ ही जनता में सूचना का अधिकार के प्रति जागरूकता बढ़ाने और लोकहित में उसका सदुपयोग किए जाने को लेकर आयोग की ओर से विधि कॉलेजों और उच्च शिक्षा संस्थानों के जरिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

प्रभारी मुख्य सूचना आयुक्त विपिन ने बताया कि एक अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 के बीच आयोग की ओर से कुल 6,637 मामलों की सुनवाई की गई और 3960 मामलों का निस्तारण किया गया है, जबकि 31 जुलाई 2024 तक आयोग में कुल 951 मामले अभी लंबित हैं। इसके साथ ही सूचना आयोग की स्थापना से 30 जून 2024 तक आयोग की ओर से 2014 मामलों में 2 करोड़ 75 लाख 58 हज़ार 135 रुपए की पेनल्टी लगाई गई. साथ ही 123 मामलों में 5,72,050 रुपए की क्षतिपूर्ति भी आवेदनकताओं को दिलाई गई है.

उत्तराखंड : कक्षा के हिसाब से तय हो गया स्कूल-बैग का वजन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 अगस्त : राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिशों के तहत 11 जनवरी 2024 को प्रदेश के विद्यालयों में बस्ता रहित दिवस मनाने के निर्देश जारी किए गए थे। अब केंद्र सरकार की स्कूल बैग पॉलिसी 2020 के आधार पर स्कूल बैग के वजन को निर्धारित किया गया है।

शिक्षा विभाग ने कक्षा के आधार पर स्कूल बस्ते का अधिकतम वजन तय किया है। शिक्षा सचिव रविनाथ रामन ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार पूर्व प्राथमिक कक्षाओं के छात्रों को बस्ते से मुक्त रखा गया है। कक्षा 1 से 5 तक के बस्तों का वजन 1.6 से 2.5 किलोग्राम तक, कक्षा 6 और 7 के छात्रों का बस्ता 3 किलोग्राम से अधिक नहीं होगा, जबकि कक्षा 8 से 12 के छात्रों के बस्ते का वजन 5 किलोग्राम से ज्यादा नहीं होगा। यह निर्देश राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और केंद्र सरकार की स्कूल बैग पॉलिसी 2020 के आधार पर जारी किए गए हैं। निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के आधार पर ये नियम लागू किए गए हैं।

पूर्व प्राथमिक - बस्ता मुक्त

कक्षा 1 और 2 का बस्ता 1.6 से 2.2 kg

कक्षा 3 से 5 का बस्ता 1.7 से 2.5 kg

कक्षा 6 और 7 का बस्ता 2 से 3 kg

कक्षा 8 के विद्यार्थियों का बस्ता 2.5 से 4 kg

कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों का बस्ता 2.5 से 4.5 kg

कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों का बस्ता 3.5 से 5 kg

अभिभावकों के अनुसार नर्सरी से 12वीं कक्षा तक के बच्चों के बस्ते का वजन काफी अधिक है। भारी बस्ते की वजह से बच्चे जल्दी थक जाते हैं, जिससे उनके मानसिक और शारीरिक विकास पर असर पड़ रहा है। पहले बच्चे स्कूल से लौटकर खेलते थे, लेकिन अब थकावट के कारण सीधे सो जाते हैं। बस्ते का वजन कम करने के लिए तय मानकों को लागू करना सरकार की एक सकारात्मक पहल है। एससीईआरटी निदेशक वंदना गर्ब्याल ने बताया कि केंद्र सरकार के निर्देश के बाद कक्षावार छात्रों के बस्ते का वजन तय किया गया है। यह नया नियम प्रदेश के सभी सरकारी और निजी स्कूलों पर लागू होगा।

उत्तराखंड : युवाओं के लिए सुनहरा मौका लोअर पीसीएस के 117 पदों पर भर्ती जल्द

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 अगस्त : धामी सरकार ने लोअर पीसीएस सेवा भर्ती के लिए राज्य लोक आयोग को प्रस्ताव भेज दिया है। जिसमें लोअर पीसीएस के 117 रिक्त पदों के लिए यह भर्ती होगी। राज्य सरकार की तरफ से बेरोजगार युवाओं के लिए एक खुशखबरी है। सरकार ने रिक्त पदों की भर्ती की घोषणा की है, जिससे युवाओं को सरकारी नौकरी मिलने की उम्मीद जगी है। पुष्कर सिंह धामी की सरकार ने लोअर पीसीएस सेवा के लिए राज्य लोक आयोग को प्रस्ताव भेजा है, जिसमें कुल 117 पदों के लिए भर्ती की जाएगी। इस भर्ती में 12 पद राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों के लिए आरक्षित रखे गए हैं।अपर सचिव कार्मिक ललित मोहन रयाल ने आयोग को भेजे गए पत्र में बताया कि यह भर्ती सभी विभागों के 117 पदों के लिए होगी। इनमें

नायब तहसीलदार, उप कारापाल, पूर्ति निरीक्षक, विपणन निरीक्षक, आबकारी निरीक्षक, जिला युवा कल्याण अधिकारी, प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी, जेष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक, गन्ना विकास निरीक्षक, खांडसारी निरीक्षक, और श्रम प्रवर्तन अधिकारी के पद शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि राजभवन ने वर्षों से लंबित राज्य आंदोलनकारियों के लिए 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण विधेयक को मंजूरी दी थी।

विज्ञान संगोष्ठी में आकृति रहीं अव्वल

नई टिहरी।राजकीय इंटर कॉलेज रौतू की बेली में ब्लॉक स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी में छात्रा आकृति कंडारी ने प्रथम और श्रद्धा ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। दोनों विजेता छात्राएं जिला स्तरीय संगोष्ठी में प्रतिभाग करेंगी। रौतू की बेली इंटर कॉलेज में आयोजित विज्ञान संगोष्ठी में क्षेत्र के 20 माध्यमिक विद्यालयों के 40 बाल वैज्ञानिकों ने प्रतिभाग किया। संगोष्ठी का विषय कृत्रिम बुद्धिमता रखा गया था। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजय कुमार वर्मा ने बताया कि संगोष्ठी में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेलवानी सकलाना की आकृति कंडारी प्रथम और राजकीय कन्या इंटर कॉलेज थत्यूड़ की श्रद्धा द्वितीय स्थान पर रहीं। इस मौके पर शिक्षक संघ के अध्यक्ष धनवीर रावत, महामंत्री मदन मोहन सेमवाल, गजेंद्र सिंह, महेश चंद्र चौहान, आरती चौरसिया, अनिल नौटियाल, द्वारिका प्रसाद सती, राजेंद्र सिंह, नरेंद्र मिंया, कुसुम नेगी, अंजना गैरोला, सुषमा उनियाल आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

नगर पंचायत गजा के लिए निकाली निविदाएं निरस्त की जाएं

नई टिहरी।नगर पंचायत गजा के स्थानीय लोगों ने गुरुवार को डीएम मयूर दीक्षित को ज्ञापन सौंपकर निविदाओं में अनियमितता की शिकायत की। शिकायत में बताया गया कि नगर पंचायज गजा में उन कामों की भी निविदा निकाली गई हैं, जो काम पहले हो चुके हैं। इसलिए इन आमंत्रित निविदाओं की जांच कर निरस्त की जाए। गुरुवार को गजा नगर पंचायत के स्थानीय लोग नई टिहरी कलक्ट्रेट पहुंचे। जहां पर उन्होंने डीएम को संबोधित ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया गया कि बीती 15 अगस्त को नगर के कामों को लेकर प्रभारी ईओ ने निविदाएं आमंत्रति की हैं। इन निविदाओं में जो कार्य रखे गये हैं, उनमें अधिकांश पूर्व हो चुके हैं। इन कामों को ठेकेदारों को भुगतान भी हो चुका है। एक निविदा गजा से डांडाचली मार्ग पर इंटरलाक टाइल्स लगाने को है। जबकि इस मार्ग पर इंटरलॉक टाइल्स लगी हुई हैं। इस तरह से निविदाओं में भारी अनियमितताएं सामने आ रही हैं। इसलिए इन निविदाओं को निरस्त कर जांच की जाय। ज्ञापन भेजने वालों में आशीष चौहान, राजेंद्र सिंह, गजेंद्र सिंह, विरेंद्र सिंह, दिनेश सिंह, लोकेंद्र सिंह, मदन सिंह आदि के हस्ताक्षर हैं।

अति संवेदनशील गांवों का कराया जाएगा जियोलॉजिकल सर्वे: डीएम

नई टिहरी।जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बीते मंगलवार की देर रात को भिलंग पट्टी के घुतू क्षेत्र में आई आपदा के बाद क्षति का जायजा लिया। गुरुवार को मौके पर पहुंचे डीएम ने आपदा प्रभावित लोगों से मिलकर उन्हें हर संभव सहायता दिए जाने का आश्वासन दिया। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को क्षेत्र में आवश्यक सुविधाएं शीघ्र सुचारु करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि अति संवेदनशील गांवों का जियोलॉजिकल सर्वे करवाने के साथ ही नदी-नालों के किनारे सुरक्षात्मक कार्य कराए जाएंगे। प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, बिजली, पानी की सुविधाएं शीघ्र बहाल करने को प्राथमिकता दी जा रही है। डीएम ने संबंधित विभागों को शीघ्र आवश्यक सुविधाएं सुचारु करने के निर्देश दिए। मौके पर मौजूद तहसील प्रशासन के अधिकारियों ने डीएम को बताया कि क्षेत्र के करीब एक दर्जन गांवों में क्षति का आकंलन किया गया। जिसमें पीएमजीएसवाई की गवाना तल्ला मोटर मार्ग पर पुलिया क्षतिग्रस्त, मेड्डू सिंदवाल गांव पर बोल्डर व मलबा आने, घनसाली घुतू-वीना मोटरमार्ग वॉशआउट तथा घुट्टू देवलंग मार्ग मलबा व बोल्डर आने से बाधित है। जिन्हें खोलने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही 12 गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई। जिनमें से चार गांवों में आपूर्ति बहाल कर दी गई है।

राशन से पोषण तक 'एफ.पी.एस.' की महत्वपूर्ण भूमिका

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गाज़ियाबाद 23 अगस्त : चमन प्रकाश, एक उचित दर दुकान (एफपीएस) डीलर हैं जो उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के प्रताप विहार ब्लॉक में पिछले 11 वर्षों से खाद्यान्न वितरित कर रहे हैं। इस क्षेत्र में एक मात्र एफपीएस डीलर होने के कारण वे 1,500 से अधिक परिवारों को सेवा प्रदान करते हैं। समुदाय में एक विश्वसनीय व्यक्ति के रूप में उनकी प्रतिष्ठा विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के कारण हुए व्यवधानों के दौरान और भी महत्वपूर्ण हो गई, जब लाभार्थी अपनी सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) से जुड़ी पात्रताओं पर बहुत अधिक निर्भर थे। प्रकाश, देश भर के उन 5.3 लाख डीलरों में से एक हैं, जो अंतिम छोर तक खाद्यान्न वितरण एजेंट के रूप में कार्य करते हैं और पीडीएस के माध्यम से 80 करोड़ से अधिक व्यक्तियों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इन एफपीएस को राज्य सरकारों द्वारा लाइसेंस दिया जाता है और इनका प्रबंधन भी किया जाता है तथा डीलरों को अपनी दुकानों पर प्रति क्विंटल लेन-देन के आधार पर डीलर मार्जिन के माध्यम से मुआवजा मिलता है। तथापि, एफपीएस के माध्यम से खाद्यान्न वितरण प्रत्येक माह 7-10 दिनों की अवधि में केंद्रित होता है। माह के शेष दिनों में, ये दुकानें कम उपयोग में रहती हैं, जिससे डीलरों को कोई अतिरिक्त आय का अवसर नहीं मिलता है। एफपीएस में भौतिक और मानव संसाधनों का इस प्रकार से उपेष्टतम उपयोग से, आवश्यक अंतिम छोर तक वितरण नेटवर्क की आर्थिक व्यवहार्यता और स्थिरता को खतरा पहुंचता है।

पिछले एक दशक में, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने एफपीएस को आधुनिक बनाने के लिए विभिन्न क्रियाकलाप लागू किए हैं। सभी एफपीएस में इलेक्ट्रॉनिक पॉइंट ऑफ सेल (ई-पॉस) डिवाइस लगाए गए हैं, और लगभग 100% लेन-देन अब आधार द्वारा बायोमेट्रिक रूप से प्रमाणित होते हैं। खाद्यान्नों का सही वजन सुनिश्चित करने के लिए ई-पीओएस उपकरणों को इलेक्ट्रॉनिक तराजू से जोड़ने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है, जिसे 2024 के अंत तक पूरा किया जाना है। राज्यों को महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत मॉडल एफपीएस विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, जिसमें लाभार्थियों के लिए प्रतीक्षा क्षेत्र, बैठने की व्यवस्था और पीने के पानी जैसी सुविधाएं हों। राज्य सरकारों को एफपीएस डीलरों के लिए अतिरिक्त आय के स्रोत सृजित करने हेतु कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) सेवाओं और बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट (बीसी) सेवाओं जैसी अतिरिक्त सेवाएं प्रदान करने के लिए सशक्त बनाया गया है। जनवरी, 2024 में, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) में एफपीएस को ऑनबोर्ड करने के लिए एक प्रायोगिक (पायलट) कार्यक्रम शुरू किया है। इस पहल का उद्देश्य एफपीएस के ग्राहक आधार को विस्तार देना और उसकी व्यवहार्यता को बढ़ाना है। यद्यपि, एफपीएस की आर्थिक स्थिरता डीलरों और सरकार दोनों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है।

एक अन्य गंभीर चुनौती लाभार्थियों की पोषण सुरक्षा रही है। वर्तमान में, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग केवल पीडीएस के माध्यम से ऊर्जा देने वाले (एनर्जी रिच) अनाज (चावल और गेहूं) प्रदान करता है, जबकि आबादी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा पोषण संबंधी कमियों का सामना कर रही है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़े उच्च एनीमिया दरों को दर्शाते हैं: 6 से 59 महीने की आयु के बच्चों में 67.1%, 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं में 57% और 15 से 49 वर्ष की आयु के पुरुषों में 25%। इसके अतिरिक्त, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में स्टंटिंग, वेस्टिंग और कम वजन के मुद्दे बने हुए हैं। अतः, एफपीएस डीलरों के लिए आय के अवसरों को बढ़ाने के साथ-साथ आहार विविधीकरण के माध्यम से जनसंख्या के पोषण संबंधी परिणामों में सुधार लाने जैसे दोहरे दृष्टिकोण (डुअल अप्रोच) की आवश्यकता है।

इन दो चुनौतियों पर काबू पाने के लिए, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने 60 एफपीएस- गाजियाबाद, जयपुर, अहमदाबाद और हैदराबाद प्रत्येक में 15 एफपीएस को 'जनपोषण केंद्र' (जेपीके) में परिवर्तित करने के लिए एक प्रायोगिक (पायलट) कार्यक्रम शुरू किया है। ये केंद्र, अन्य मदों के अलावा, खुले बाजार की तुलना में प्रतिस्पर्धी कीमतों पर पोषक तत्वों से भरपूर वस्तुओं जैसे मिलेट्स (श्री अन्न), दालें, खाद्य तेल और सोयाबीन की एक विविध रेंज पेश करेंगे। जेपीके का उद्देश्य लाभार्थियों और स्थानीय आबादी के बीच पोषण संबंधी अंतर को दूर करते हुए डीलरों के लिए अतिरिक्त राजस्व स्रोत और बेहतर मार्जिन प्रदान करना है।

एफपीएस का जेपीके में बदलाव चार प्रमुख स्तंभों पर निर्भर करता है। एफपीएस डीलरों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण, ii) चालान वित्तपोषण (इनवॉइस फाइनेंसिंग) के माध्यम से एफपीएस डीलरों के लिए कार्यशील पूंजी तक पहुंच, iii) बी2बी एग्रीगेटर्स के माध्यम से बाजार संपर्क, और iv) पोषण संबंधी साक्षरता को बढ़ावा देना। एफपीएस डीलरों की क्षमता बढ़ाने के लिए, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान (निसबड) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जो कौशल विकास मंत्रालय के तहत काम करता है। इस साझेदारी का उद्देश्य वित्तीय साक्षरता, डिजिटल साक्षरता, पोषण संबंधी साक्षरता और व्यवसाय प्रबंधन पर केंद्रित कौशल विकास कार्यक्रम प्रदान करना है। प्रायोगिक (पायलट) कार्यक्रम में भाग लेने वाले एफपीएस डीलरों के लिए प्रशिक्षण सत्र मई और जून 2024 के दौरान दो बैचों में आयोजित किए गए थे।

इसके अतिरिक्त, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग ने 'एफपीएस-सहाय', एक मोबाइल एप्लिकेशन जो एफपीएस डीलरों को गैर-पीडीएस वस्तुओं की खरीद के लिए इनवॉइस फाइनेंसिंग की अनुमति देता है, को बनाने के लिए भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) के साथ एक और अन्य समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। प्रमुख बी2बी एग्रीगेटर्स को इस प्लेटफार्म से जुड़ने के लिए आमंत्रित किया गया है ताकि एफपीएस डीलरों के लिए आपूर्ति श्रृंखला सप्लाई चैन लिंकेज स्थापित करने में सहायता की जा सके। इसके अलावा, एफपीएस डीलरों को पोषण मित्र के रूप में सेवा देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जो लाभार्थियों को पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों के सेवन और संतुलित भोजन बनाने के लाभों पर बुनियादी मार्गदर्शन प्रदान कर रहें हैं। इन चार स्तंभों के माध्यम से, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग एक स्थायी मॉडल के लिए आधार तैयार कर रहा है जो डीलरों और उनके द्वारा सेवा प्रदान किए जाने वाले समुदायों दोनों को लाभान्वित करता है। इस पहल के साथ, चमन प्रकाश का पेशेवर जीवन परिवर्तन के लिए तैयार है, जिससे उन्हें अपनी पेशकशों में विविधता लाने, अपनी आय बढ़ाने और समुदाय के पोषण स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सहायता मिलेगी। यह विकास न केवल उनकी आजीविका को बढ़ाएगा बल्कि पूरे भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देने में एफपीएस की महत्वपूर्ण भूमिका को भी सुदृढ़ करेगा।

अंतरिक्ष दिवस पर चित्र प्रदर्शनी और कार्यक्रमों की शुरुआत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

नैनिताल 23 अगस्त : पहले राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर आयोजित चित्र प्रदर्शनी, विभिन्न प्रतियोगिताओं और जागरूकता कार्यक्रम की शुरुआत हो गई. केंद्रीय संचार ब्यूरो, नैनीताल की तरफ से आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत DRDO के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ पीएस नेगी, परिसर निदेशक प्रवीण बिष्ट, पूर्व कुलपति प्रोफ़ेसर जगत बिष्ट, प्रोफ़ेसर देव सिंह पोखरिया ने मिलकर किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रोफेसर शेखर जोशी ने कहा कि हमारा सपना है कि एक दिन अंतरिक्ष में उत्तराखंड का लोक पर्व हरेला मनाया जाय ।उन्होंने चंद्रयान की सफलता पर बनी नखक्षत पेंटिंग केंद्रीय संचार ब्यूरो को भेंट की. निदेशक प्रवीण सिंह बिष्ट ने कहा कि केंद्रीय संचार ब्यूरो की चित्र प्रदर्शनी में बहुत कुछ सीखने को है. इस तरह के कार्यक्रम से विज्ञान की तरफ आम लोगों का जुड़ाव बढ़ेगा.

इस मौके परिसर में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में शारदा पब्लिक स्कूल के भावेश कुमार को प्रथम, श्रेया रंजन को द्वितीय, ऐंजल आर्या को तृतीय पुरस्कार मिला. वहीं मन्नत खान,तरन्नुम खान, दिवीजा बिष्ट को पुरस्कार दिया गया. प्रतियोगिताओं संयोजक केंद्रीय संचार ब्यूरो के भास्कर जोशी ने बताया कि एसएसजे परिसर के स्नातक के चित्रकला प्रतिभागियों की संख्या करीब 60 रहने की वजह से आज परिणाम नहीं आ पाए. परिणाम आने के बाद पुरस्कार समापन समारोह में दिए जाएंगे.क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी नीरज भट्ट ने बताया कि पहले दिन के कार्यक्रम में एसएसजे परिसर के अलावा शारदा पब्लिक स्कूल और अल्मोड़ा इंटर कॉलेज की छात्र-छात्रायें शामिल हुए.कार्यक्रम में हरेला पीठ डॉ प्रीति आर्या, डॉ बलवंत कुमार, डॉ धनी आर्या, डॉ ममता पंत सहित विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफ़ेसर व शहर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए.

संक्षिप्त खबरें

बंद मकान से नगदी जेवरात उड़ाए

हरिद्वार। जियापोता में बंद मकान से नगदी और जेवरात चोरी कर ली गई। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर कनखल पुलिस जांच में जुट गई है। ग्रामीण रवि चौहान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि बीस अगस्त को अपने परिवर के साथ रिश्तेदारी में मेरठ गए थे। बुधवार को वापस लौटने पर देखा कि घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था। अलमारी के लॉक टूटे हुए थे और अंदर रखे सोने चांदी के जेवरात और नगदी गायब थे। सामने आया कि घर के ऊपरी हिस्से में शीशा तोड़कर चोर अंदर दाखिल हुए थे। वारदात को अंजाम देकर आरोपी उसी रास्ते से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलने पर जगजीतपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी जुटाई। चौकी प्रभारी चरण सिंह चौहान ने बताया कि इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्द ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

जनकवि गिरीश तिवारी गिर्दा की 14 वी पुण्य तिथि पर किया भावपूर्ण स्मरण

अल्मोड़ा(आरएनएस)। जनकवि गिरीश तिवारी गिर्दा की 14 वी पुण्य तिथि पर सांस्कृतिक नगरी में उनका भावपूर्ण स्मरण किया गया। उनके रचित तथा गाए गीतों के साथ ही पसंदीदा गीतों का भी सामूहिक तौर पर गायन किया गया। वरिष्ठ रंगकर्मी पत्रकार नवीन बिष्ट के संयोजन में हुए कार्यक्रम में लोक गायकों के साथ ही समाज के हर वर्ग के लोग शामिल हुए। गिर्दा के चित्र पर मौजूद लोगों ने पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धाजलि दी। उत्तराखंडा मेरी मातृ भूमि गीत के साथ सामूहिक गायन की शुरूआत हुई। इसके बाद लोगों ने हुड़के की थाप पर उनके गाए कई गीत गाए। इनमें ततू नि लगा उदेश घुनन मुनई न टैक, सौ सत्तर आदमी फिलहाल जब नासाद हैं दिल पर रख कर हाथ कहिये देश क्या आजाद है। कस हलो उत्तराखंड कस होली व्यवस्था समेत कई गीत गाए गए हैं। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड राज्य के गठन के 24 साल बाद भी गिर्दा जैसी जन कवि के सोच के अनुसार व्यवस्था नहीं बन सकी है। समाज में संघर्षरत ताकतों को एकजुट होकर जनभावना के अनुसार उत्तराखंड की व्यवस्था बनाने के लिए आगे आना होगा। यही स्व गिर्दा को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता रेवती बिष्ट तथा संचालन नवीन बिष्ट व अखिलेश टम्टा ने संयुक्त तौर पर किया। इस मौके पर निर्वतमान पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, उपपा के केंद्रीय अध्यक्ष पीसी तिवारी, लोक गायिका राधा तिवारी, चंदन बोरा, भाष्कर भौंर्याल, दयानंद कठैत, कृष्ण कुमार सिंह, डा निर्मल जोशी, मोहन कांडपाल, पूरन चंद्र तिवारी आदि सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर गैरसैंण में गरजे सरपंच

अल्मोड़ा(आरएनएस)। विधानसभा सत्र के पहले दिन खराब मौसम और बंद रास्तों के बावजूद पूरे उत्तराखंड से बड़ी संख्या में सरपंच गैरसैंण पहूँचे। वहां से घनानन्द शर्मा और कैलाश खण्डूरी के नेतृत्व में एक जुलूस के रूप में भराडीसैंण की ओर कूच किया और अपनी पांच सूत्रीय मांगों के समर्थन में एक सभा का आयोजन किया। सभा के बाद सरपंचों के एक शिष्टमण्डल ने मुख्यमंत्री के प्रतिनिधि से भेंट कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन देने वालों में घनानंद शर्मा, कैलाश खण्डूरी, निशा जोशी, बीना बिष्ट, हेमा नेगी, महिपाल रावत, रमेश नेगी, देवेन्द्र भट्ट, बी पी सती, राज नेगी, बलवन्त नेगी, बबली रावत, मीरा देवी आदि शामिल रहे।

मोदी सरकार अगले 6 महीने में क्या करने वाली हैं क्या आप जानते है !

सरफराज सैफी
न्यूज़ एंकर/ वरिष्ठ पत्रकार

आजादी के बाद भारत ने विकास का लंबा सफर तय किया है। बंटवारे के बाद कई युद्ध, आतंकी हमले, सूखा, आपातकाल से लेकर कोरोना महामारी तक, कई तरह की कठिनाईयों का भारत ने सामना किया, लेकिन आज भी देश मजबूती से आगे बढ़ रहा है।जब हम 1947 से 2024 तक भारत की अविश्वसनीय यात्रा पर नजर डालते हैं, तो यह स्पष्ट है कि राष्ट्र की प्रगति असाधारण से कम नहीं रही है। सीमित संसाधनों और अनगिनत चुनौतियों के दिनों से लेकर विभिन्न क्षेत्रों में एक ग्लोबल लीडर बनने तक, भारत की कहानी दृढ़ता, महत्वाकांक्षा और निरंतर विकास की प्रेरणा की कहानी है।दरअसल वर्ष 1947 को भारत को ब्रिटिश हुकूमत से आजादी मिली थी। 15 अगस्त का दिन उन सभी क्रांतिकारियों को याद करने का दिन है, जिन्होंने भारत माता को अंग्रेजी दास्ता से मुक्ति दिलाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी।भारत में पहला स्वतंत्रता संग्राम सन् 1857 में लड़ा गया था, जिसमें असंख्य क्रांतिकारियों ने अपना बलिदान दिया था। इसके बाद तो देश के कोने-कोने में स्वतंत्रता के लिए अंग्रेजी शासन से लड़ाई शुरू हो गई। लाखों क्रांतिकारियों ने अंग्रेजों को खुली चुनौती दी। साथ ही बड़ी संख्या में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने महात्मा गांधी के नेतृत्व में अंग्रेजों से अहिंसक युद्ध लड़ा और 200 वर्षों के संघर्ष के बाद अंततः भारत ने स्वतंत्रता को प्राप्त कर लिया।मशहूर लेखक डोमिनिक लैपीयरे और लैरी कॉलिन्स अपनी किताब 'फ्रीडम एट मिडनाइट' में 14 अगस्त 1947 के ऐतिहासिक दिन का चित्रण करते हुए लिखते हैं- 'सैन्य छावनियों, सरकारी कार्यालयों, निजी मकानों आदि पर फहराते यूनियन जैक को उतारा जाना शुरू हो चुका था। 14 अगस्त को जब सूर्य डूबा तो देशभर में यूनियन जैक ने ध्वज-दण्ड का त्याग कर दिया, ताकि वह चुपके से भारतीय इतिहास के भूत-काल की एक चीज बनकर रह जाए। समारोह के लिए आधी रात को धारा सभा भवन पूरी तरह तैयार था। जिस कक्ष में भारत के वायसरायों की भव्य ऑयल-पेंटिंग्स लगी रहा करती थीं, वहीं अब अनेक तिरंगे झंडे शान से लहरा रहे थे।'चारों दिशाओं से लोग दिल्ली की ओर दौड़े चले आ रहे थे। तांगों के पीछे तांगे, बैलगाड़ियों के पीछे बैलगाड़ियां, कारें, ट्रकें, रेलगाड़ियां, बसें सब लोगों को दिल्ली ला रही थीं। लोग छतों पर बैठकर आए, खिड़कियों पर लटककर आए, साइकिलों पर आए और पैदल भी आए।मर्दों ने नई पगड़ियां पहनीं, औरतों ने नई साड़ियां। बच्चे मां-बाप के कंधों पर लटक गए। देहात से आए बहुत से लोग पूछ रहे थे कि यह धूम-धड़ाका काहे का है? तो लोग बढ़-बढ़ कर बता रहे थे- अरे, तुम्हे नहीं मालूम, अंग्रेज जा रहे हैं। आज नेहरूजी देश का झंडा फहराएंगे। हम आजाद हो गए।

14 अगस्त 1947 को पंडित जवाहर लाल नेहरू ने तब के संसद भवन से भारत के आज़ाद हो जाने की घोषणा की 'ट्रिस्ट विद डेस्टिनी' का भाषण देकर नेहरू ने आज़ादी के बाद के नए भारत का जिक्र किया। हर ओर खुशी की लहर थी। पूरा हिंदुस्तान इस ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने संसद भवन पहुंचा था। वो पहली बार था जब भारत की आज़ादी का जश्न मनाया गया। नेहरू ने उस रात जो भाषण दिया वो आज भी 20वीं सदी का सबसे महान भाषण माना जाता है। 15 अगस्त 2024 को भारत एक बार फिर आजादी का जश्न मनाया गया। जवाहरलाल नेहरू आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। लाल किले की प्राचीर से सबसे ज्यादा बार तिरंगा झंडा लहराने का अवसर उन्हें ही मिला था। नेहरू 1947 से लेकर 1964 तक भारत के प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले पर रिकॉर्ड 17 बार झंडा फहराया। नेहरू ने 1947 में लाल किले से 72 मिनट लंबा भाषण दिया था।

पीएम मोदी ने 11वीं बार लाल किले से देश को किया संबोधित

इस बार देश ने अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 78वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 11वीं बार लाल किले से देश को संबोधित किया। इस बार उन्होंने सबसे लंबा भाषण देते हुए अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया। पिछली बार पीएम ने लाल किले से 90 मिनट का भाषण दिया था।इस साल उन्होंने 98 मिनट का भाषण दिया।प्रधानमंत्री ने जब साल 2014 में देश

को पहली बार लाल किले से संबोधित किया तो उन्होंने कुल 65 मिनट तक भाषण दिया। इसके बाद, साल 2015 में उन्होंने 86 मिनट तक देश को संबोधित किया। देश जब आजादी की 70वीं वर्षगांठ मना रहा था, उस दौरान पीएम मोदी ने देश को लाल किले से 94 मिनट तक संबोधित किया। यह उनके प्रधानमंत्री के रूप में रहने के दौरान लाल किले से दिया गया सबसे लंबा भाषण है।पीएम मोदी ने 2017 के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 57 मिनट, 2018 में 82 मिनट और 2019 में 92 मिनट तक देश को संबोधित किया। इसके बाद 2020 में 86 मिनट, 2021 में 88 मिनट, 2022 में 83 मिनट और 2023 में 90 मिनट तक पीएम मोदी ने लाल किले से भाषण दिया।अमेरिका, ईरान समेत कई देशों ने भारत को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं।अमेरिका के राज्य सचिव एंटनी ब्लिंकन ने दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों के उज्ज्वल भविष्य की भविष्यवाणी की। साथ ही कहा कि दोनों देश एक गहरा रिश्ता साझा करते हैं, जो लोकतंत्र, स्वतंत्रता और मानव गरिमा के प्रति उनकी साझा प्रतिबद्धता पर आधारित है। इस साल स्वतंत्रता दिवस की थीम विकसित भारत @2047 था। अपने संबोधन में उन्होंने यूनिफॉर्म सिविल कोड, बांग्लादेश में जारी हिंसा, देश की बेटियों और एक लाख गैर-राजनीतिक युवाओं के मुद्दों पर बात की। उन्होंने देश की न्याय व्यवस्था पर भी बात की और कहा कि न्याय में विलंब हो रहा है जो कि चिंताजनक है। हमारे देश की न्याय व्यवस्था में सुधार की बहुत जरूरत है।

लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री मोदी ने साफ कर दिया है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। पीएम मोदी का कहना था कि मैं भ्रष्टाचारियों से निपटकर रहूंगा।पीएम मोदी का कहना था कि हम विश्व में जब समृद्ध थे, तब भी हमने दुनिया को युद्ध नहीं दिया। मैं विश्व समुदाय को विश्वास दिलाता हूं कि आप भारत के संस्कारों को समझिए। भारत के हजारों साल के इतिहास को समझिए। हमें संकट मत मानिए। इस भूमि में विश्व कल्याण का सामर्थ्य है।पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, यह भारत का स्वर्णिम कालखंड है। 2047 विकसित भारत की प्रतीक्षा कर रहा है।बाधाएं, रुकावटें और चुनौतियों को परास्त करते हुए नए संकल्प के साथ देश चलने के लिए प्रतिबद्ध है।पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश में यूनिफॉर्म सिविल कोड की चर्चा चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने भी यूनिफॉर्म सिविल कोड को लेकर चर्चा की है।

अनेक बार आदेश दिए हैं। क्योंकि देश का एक बहुत बड़ा वर्ग मानता है कि जिस सिविल कोड को लेकर हम जी रहे हैं, वो सिविल कोड सचमुच में एक कम्युनल और भेदभाव करने वाला सिविल कोड है। अब हमें सेकुलर सिविल कोड की तरफ जाना होगा।पीएम मोदी ने डिजाइनिंग इंडिया का भी मंत्र दिया है।पीएम ने कहा, भारत अपनी बेस्ट क्वालिटी के लिए जाना जाएगा, इसके लिए हम डिजाइनिंग इंडिया पर बल देना है।पीएम मोदी ने कहा, हम दुनिया की बेस्ट प्रैक्टिसिस को आगे रखते हुए बढ़ना चाहते हैं। हर सेक्टर में नएपन की जरूरत है। टेक्नोलॉजी को जोड़ने की जरूरत है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मैं लाल किले से एक बार फिर अपनी पीड़ा व्यक्त करना चाहता हूं। एक समाज के तौर पर हमें महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के बारे में गंभीरता से सोचना होगा। देश में इसके खिलाफ आक्रोश है। मैं इस आक्रोश को महसूस कर सकता हूं। देश, समाज और राज्य सरकारों को इसे गंभीरता से लेना होगा। महिलाओं के खिलाफ अपराधों की त्वरित जांच हो, इन राक्षसी कृत्यों को अंजाम देने वालों को जल्द से जल्द सख्त सजा मिले। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब हम चाहते हैं कि हम आत्मनिर्भर बने। मैं हमारी सेना को हृदय से धन्यवाद करना चाहता हूं कि उन्होंने हजारों ऐसी चीजों की लिस्ट बनाई है, जो अब विदेशों से नहीं लाई जाएंगी। इसी कारण डिफेंस में हम आत्मनिर्भर बनते जा रहे हैं।

लाल किले की प्राचीर नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हुए हमलों और मंदिरों में तोड़फोड़ समेत कई जरूरी मसलों पर साफ साफ संदेश दिया । उन्होंने बांग्लादेश से निर्वासित शेख हसीना का नाम लिए बगैर साफ कहा कि बांग्लादेश में जो कुछ भी हुआ, उसको लेकर पड़ोसी देश के नाते चिंतित होना वाजिब है।हालांकि पीएम की टोन बहुत विनम्र थी पर बांग्लादेश के लिए यह कड़ा संदेश था। पीएम मोदी ने अपने 98 मिनट लंबे भाषण में बहुत कुछ ऐसा कहा जो अगले 6 महीनों में भारत सरकार करने का इरादा रखती है। उनके भाषण का लब्बो लुआब यह था कि जो लोग यह समझते हैं कि लोकसभा चुनावों में सीटें कम आने के चलते पीएम मोदी कमजोर पड़ गए हैं या केंद्र सरकार अब कोई ऐसे फैसले नहीं लेने वाली है जिस पर विवाद हो सकता है, तो वो लोग ये समझ लें कि ऐसा नहीं होने वाला है।

मोदी ने सेक्युलर कोड, रिफॉर्म, बांग्लादेश को हिंदुओं की सुरक्षा के नाम पर संदेश आदि जैसी तमाम ऐसी बातें की हैं जो बताती हैं कि सरकार कहीं से कमजोर नहीं दिखना चाहती हैइतिहास साक्षी है कि किसी राष्ट्र का गौरव तभी जाग्रत रहता है जब वो अपने स्वाभिमान और बलिदान की परम्पराओं को अगली पीढ़ी को भी सिखाता है, संस्कारित करता है, उन्हें इसके लिए निरंतर प्रेरित करता है।

किसी राष्ट्र का भविष्य तभी उज्ज्वल होता है जब वो अपने अतीत के अनुभवों और विरासत के गर्व से पल-पल जुड़ा रहता है। फिर भारत के पास तो गर्व करने के लिए अथाह भंडार है, समृद्ध इतिहास है, चेतनामय सांस्कृतिक विरासत है।हम भारत में हो रहे बड़े बदलावों और विकास कार्यों की दहलीज पर खड़े हैं। यह हर भारतीय के लिए उम्मीदों भरा दौर है, एक ऐसा दौर है जिसमें वे बेहतर जिंदगी और बेहतर देश का ख्वाब देख सकते हैं।

उत्तराखंड को मिलेगा एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की दरों में वृद्धि का लाभ : महाराज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्राकृतिक आपदाओं एवं राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित स्थानीय आपदाओं से प्रभावित व्यक्तियों, परिवारों को भारत सरकार द्वारा अधिसूचित राज्य आपदा प्रतिक्रिया निधि (एस०डी०आर०एफ०) एंव नेशनल डिजास्टर रिस्पॉस निधि (एन०डी०आर०एफ०) की दरों के पुनर्निर्धारण पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के व्यक्तिगत प्रयासों से ही यह कार्य संभव हो पाया है।

प्रदेश के लोक निर्माण, पर्यटन, सिंचाई, पंचायतीराज, ग्रामीण निर्माण, जलागम, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने कहा है कि भारत सरकार द्वारा अधिसूचित प्राकृतिक आपदाओं एवं राज्य सरकार द्वारा अधिसूचित स्थानीय आपदाओं से प्रभावित व्यक्तियों, परिवारों को भारत सरकार द्वारा अधिसूचित राज्य आपदा प्रतिक्रिया निधि (एस०डी०आर०एफ०) एंव नेशनल डिजास्टर रिस्पॉस निधि (एन०डी०आर०एफ०) की दरों में की गई अभूतपूर्व वृद्धि से उत्तराखण्ड जैसे आपदा से प्रभावित राज्य को अत्यधिक लाभ होगा तथा आपदा से क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों की मरम्मत में सुविधा मिलने के साथ-साथ जन सामान्य की परेशानियों को दूर किया जाना संभव हो सकेगा और लोक निर्माण सड़क विभाग को आपदा से क्षतिग्रस्त सड़कों और पुलों की मरम्मत के लिए भी फंड मुहैया हो सकेगा।

कैबिनेट मंत्री श्री महाराज ने कहा कि पूर्व में एस०डी०आर०एफ० की मदों में रिकवरी और पुनर्निमाण के लिये मानक तय नहीं थे तथा दरें भी काफी कम थी। इस कारण आपदा से क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों की मरम्मत कार्य में व्यवहारिक कठिनाइयों सामना करना पड़ता था। लेकिन उत्तराखण्ड की विषम भौगोलिक परिस्थितियों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने धनराशि बढ़ाये जाने हेत प्रभावी पैरवी की थी। जिसके परिणामस्वरूप भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा अब रिकवरी और पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में विस्तृत नवीन दिशानिर्देश निर्गत कर विभिन्न कार्यों हेतु लागू मानकों में वृद्धि कर दी गयी है। ऐसा करने से उत्तराखण्ड जैसे आपदा से प्रभावित राज्य को अत्यधिक लाभ होगा तथा आपदा से क्षतिग्रस्त परिसम्पत्तियों की मरम्मत में सुविधा होगी और जन सामान्य की परेशानियों को दूर किया जाना संभव हो सकेगा। इसमें दो राय नहीं कि ही रिकवरी और पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में निर्गत उक्त दिशानिर्देश एवं मानकों में संशोधन का लाभ उत्तराखण्ड राज्य को प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय भारत सरकार के आपदा प्रबन्धन प्रभाग द्वारा 15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत रिकवरी और पुनर्निर्माण के लिये लागू मानकों के अनुसार सड़क एवं परिवहन खण्ड में ईकाई प्रति कि०मी० के लिये प्रमुख जिला सड़कों के लिये मैदानी क्षेत्र में 70 प्रतिशत की सीमा तक रू0 32.00 लाख तथा 70 प्रतिशत से अधिक होने पर रू0 64.00 अनुमन्य किया गया है। इसी प्रकार पहाड़ी क्षेत्रों में 70 प्रतिशत की सीमा तक रू0 93.75 लाख तथा 70 प्रतिशत से अधिक होने पर रू0 187.75 लाख अनुमन्य है।

अन्य जिला सड़कों के लिये भी मैदानी क्षेत्रों में 70 प्रतिशत की सीमा तक रू० 26.75 लाख तथा 70 प्रतिशत से अधिक होने पर रू0 54.50 लाख अनुमन्य किया गया है। इसी प्रकार पहाड़ी क्षेत्रों के लिये 70 प्रतिशत की सीमा तक रू0 80.00 लाख तथा पहाड़ी सड़कों लिये रू0 159.88 लाख अनुमन्य किया गया है। इसी प्रकार पूर्व में मैदानी ईलाकों में पक्के घरों के लिये निर्धारित मानक रू0 1.20 लाख प्रति घर के स्थान पर अब 30 से 70 प्रतिशत क्षति होने की दशा में रू0 90 हजार प्रति घर तथा 70 प्रतिशत से अधिक क्षति होने पर रू0 1.80 लाख कर दिया गया है तथा पहाड़ी क्षेत्रों में पूर्व में निर्धारित मानक रू० 1.30 लाख प्रति घर के स्थान पर अब 30 से 70 प्रतिशत क्षति होने की दशा में रू0 1.00 लाख प्रति घर तथा 70 प्रतिशत से अधिक क्षति होने पर रू0 2.00 लाख प्रति घर कर दिया गया है। प्राथमिक स्कूलों के लिये पूर्व में निर्धारित मानक प्रति विद्यालय रू 2 लाख की सीमा के अध्यधीन रहते हुए वास्तविक व्यय के अनुसार परिवर्तित करते हुए अब प्राथमिक स्कूलों के लिये 30 से 70 प्रशित की क्षति होने पर 7.50 लाख तथा 70 प्रतिशत से अधिक की क्षति पर रू0 15.00 लाख अनुमन्य किया गया है।

मैक्स हॉस्पिटल, देहरादून ने हरिद्वार में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी ओपीडी और एंडोस्कोपी सेवाएं शुरू कीं

हरिद्वार। हरिद्वार के लोगों के लिए एक नई सुविधा शुरू की गई है जहाँ पेट से जुड़ी सभी बीमारियों का इलाज मिलेगा। इस सुविधा में विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह और एडवांस जांच (एंडोस्कोपी) की सुविधा भी मिलेगी, जो डॉ. प्रत्यूष सिंघल द्वारा की जाएगी।

मैक्स अस्पताल, देहरादून ने 2017 में हरिद्वार में मैक्स मेड सेंटर की शुरुआत की थी, ताकि यहां के लोगों को बेहतरीन स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। तब से लेकर अब तक इस सेंटर ने 5000 से ज्यादा मरीजों को सलाह दी है। हरिद्वार में यह नई सुविधा खासकर पेट से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए है, जिससे यहां के लोगों को अच्छे इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। मैक्स मेड सेंटर, हरिद्वार में पहले से ही दिल, नसों, हड्डियों और रीढ़ से जुड़ी बीमारियों के लिए ओपीडी सेवा चल रही है। इस मौके पर डॉ. प्रत्यूष सिंघल ने कहा कि पेट से जुड़ी समस्याएं आजकल आम हो गई हैं, और सही समय पर इलाज होने से बड़ी बीमारी से बचा जा सकता है। इस नई सुविधा का उद्देश्य हरिद्वार के लोगों को उनके नजदीक ही बेहतरीन इलाज उपलब्ध कराना है। मैक्स अस्पताल, देहरादून को अपनी बेहतरीन सेवाओं के लिए जाना जाता है और यह कई इलाज के क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए मान्यता प्राप्त है। यह उत्तराखंड का पहला NABH मान्यता प्राप्त अस्पताल है, जो उच्च स्तर की स्वास्थ्य सेवा प्रदान करता है। मैक्स अस्पताल के सीनियर वी.पी. हॉस्पिटल ऑपरेशंस डॉ. संदीप सिंह तंवर ने कहा कि "हमें खुशी है कि हम हरिद्वार में अपनी ओपीडी सेवाओं में गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और एंडोस्कोपी को जोड़ रहे हैं। हमारा मकसद है कि हरिद्वार के लोगों को बेहतरीन मेडिकल एक्सपर्ट्स और आधुनिक जांच सुविधाएं उनके पास ही मिल सकें, ताकि उन्हें आसानी से और अच्छे स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके और उनकी जिंदगी बेहतर हो सके।₹ पेट से जुड़ी बीमारियों के लिए यह ओपीडी सेवा हर महीने उपलब्ध होगी। अधिक जानकारी के लिए राहुल जैन से से 9808916990 पर संपर्क किया जा सकता है।

स्कूली छात्र छात्राओं को फिल्म के माध्यम से सिखाये प्रकृति जुड़ने के तरीके

हरिद्वार। नगर निगम की ओर से गुरुवार को टॉउन हॉल में आयोजित शैक्षणिक कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को एक फिल्म दिखाकर अकेलेपन को दूर कर प्रकृति से जुड़ने के तरीके बताए गए। चालीस मिनट की फिल्म के बाद छात्र-छात्राओं ने सवालों के जवाब भी दिए। सही जवाब देने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र दिए जाएंगे। अमेरिका की संस्था मेकगिलिवरी फ्रीमैन ने प्रकृति से जुड़ाव को लेकर चालीस मिनट की फिल्म बनायी है। इसका उद्देश्य अकेलेपन को दूर कर प्रकृति से लोगों को जोड़ना है। गुरुवार को नगर निगम के टॉउन हॉल में पीबी म्यू इंटर कॉलेज और आन्नदमयी सेवा सदन के छात्र छात्राओं को यह फिल्म दिखाई गई।

गढ़वाल के तेज प्रकाश देवरानी को बड़ी जिम्मेदारी, एक बार फिर UN Peace Mission के लिए हुए चयनित

न्यूज वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 अगस्त : तेज प्रकाश देवरानी का चयन दूसरी बार संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के लिए हुआ है। 2019 में भी वे इस मिशन का हिस्सा बने थे, जहां उन्होंने दक्षिण सूडान में शांति स्थापना में अहम योगदान दिया था। उनके इस उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें 2019 में संयुक्त राष्ट्र पुलिस पदक से सम्मानित किया गया था।

आईटीबीपी मुख्यालय नई दिल्ली में 10 से 16 जून तक संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसमें सभी राज्य पुलिस सेवाओं, केंद्रीय पुलिस सेवाओं और अर्धसैनिक बलों के अधिकारियों ने भाग लिया। इस परीक्षा में 163 अधिकारियों ने सफलता प्राप्त की जिसमें सीबीआई के डीएसपी तेज प्रकाश देवरानी ने 14वीं अखिल भारतीय रैंक हासिल की। 2019 में भी उन्होंने संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में हिस्सा लिया था और दक्षिण सूडान में शांति स्थापना के लिए उन्हें संयुक्त राष्ट्र पुलिस पदक से सम्मानित किया गया था।

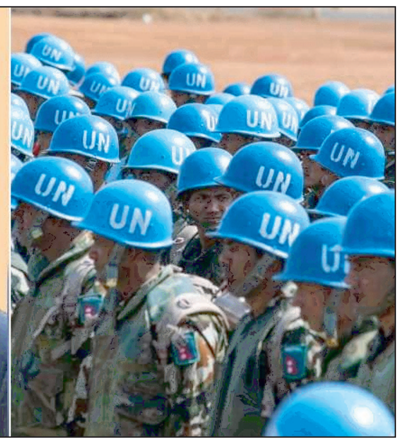

इसके अलावा 2016 में उन्हें राष्ट्रपति ने सराहनीय सेवाओं के लिए भारतीय पुलिस पदक और 2022 में विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से भी नवाजा। देवरानी जल्द ही दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन के लिए रवाना होंगे। डीएसपी तेज प्रकाश देवरानी पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर ब्लॉक के ग्राम देवराना के मूल निवासी हैं और वर्तमान में देहरादून के अजबपुर कलां स्थित साकेत कॉलोनी में रहते हैं।

उनकी पत्नी तृप्ति देवरानी सहायक अध्यापिका के रूप में कालसी देहरादून में कार्यरत हैं। तेज प्रकाश देवरानी ने अपनी सफलताओं का श्रेय अपने माता-पिता के आशीर्वाद, पत्नी के निरंतर समर्थन और परिवार व साथी अधिकारियों की प्रेरणा को दिया है।

संपादकीय

आरक्षण पर 'भारत बंद'

आरक्षण पर 'भारत बंद' का आह्वान... ! सफल रहा या बेअसर साबित हुआ, यह अलग मुद्दा है, लेकिन दलित-आदिवासी संगठनों ने 'भारत बंद' का आह्वान क्यों किया? यह आश्चर्यजनक लगा। क्या ऐसी नकारात्मक और विध्वंसक राजनीति भी बाबा अंबेडकर की देन है? क्या सर्वोच्च अदालत की 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ का भी सामूहिक, सड़किया विरोध करना अंबेडकर की सीख है? क्या बाबा के संविधान के अनुच्छेद 16 (4) में यह उल्लेख नहीं है कि आरक्षण का उप वर्गीकरण किया जा सकता है? क्या संविधान पीठ ने विभिन्न अनुच्छेदों का हवाला देते हुए यह स्पष्ट नहीं किया है कि कोटे के भीतर कोटे की व्यवस्था भी संवैधानिक है? क्या प्रधानमंत्री मोदी ने संसद के परिसर में सांसदों के एक समूह को सार्वजनिक तौर पर आश्वस्त नहीं किया था कि आरक्षण में उप वर्गीकरण के न्यायिक फैसले को स्वीकार नहीं किया जाएगा? संविधान पीठ के फैसले का किसी सरकार द्वारा ऐसा विरोध भी आश्चर्यजनक है। अलबत्ता संसद के पास ऐसी संवैधानिक शक्तियां हैं कि वह संविधान पीठ के फैसले को खारिज कर सकती है। दलित और आदिवासी संगठनों को क्या आशंका थी कि उन्होंने 'भारत बंद' का आह्वान किया और देश के कुछ हिस्सों में अराजकता फैलाई। उनका आरक्षण सुनिश्चित है। संविधान पीठ ने जिस क्रीमीलेयर की बात कही थी, प्रधानमंत्री ने फिलहाल उसे भी अस्वीकार कर दिया है। दलित और आदिवासियों को सुनिश्चित कौन कर सकता है? क्या कांग्रेस, सपा, राजद, बसपा सरीखी राजनीतिक पार्टियां दलितों और आदिवासियों को बुनियादी तौर पर विश्वास दिला सकती हैं? बहरहाल नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की सुविधाएं मिल रही हैं। यह उनका मौलिक अधिकार-सा बन गया है। यह दीगर है कि भारत सरकार के कुछ शीर्ष और उच्च पदों पर उनकी भागीदारी 4 फीसदी और 4.5 फीसदी है। यह परंपरागत विसंगतियों का ही नतीजा है। 2014 में भारतीय सत्ता में बड़ा परिवर्तन हुआ था और प्रधानमंत्री मोदी की सरकार शासन में आई थी। सत्ता के 10 सालों में आरक्षण-विरोधी अथवा दलित, आदिवासी-विरोधी एक भी निर्णय सरकार ने नहीं लिया। पहली बार देश के राष्ट्रपति पद पर आदिवासी महिला को आसीन कराया गया। अभी 45 उच्च पदों पर जो सीधी नियुक्तियां की जानी थी, उस फैसले को भी वापस ले लिया गया। विपक्ष कुछ भी व्याख्या करता रहे। बेशक भाजपा की तुलना 'विषैले सांप' से करता रहे। सवाल है कि दलित, आदिवासी संगठनों को कोई ठोस शिकायत है अथवा वे राजनीतिक नेरेटिव से संचालित किए जा रहे हैं? जो इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं, जिन्हें लगता है कि वे आरक्षण, संविधान बचाने के मुद्दे पर मोदी और भाजपा का राजनीतिक विस्तार रोक सकते हैं, वे 'भारत बंद' के दौरान कहां थे? सड़क पर मायावती, अखिलेश यादव, राहुल गांधी और तेजस्वी यादव सरीखे नेता दिखाई नहीं दिए, जो आजकल दलित, आदिवासियों और पिछड़ों के पैरोकार बने हैं। यदि संगठनों को संविधान पीठ के फैसले पर आपत्ति थी, तो वे सर्वोच्च अदालत में पुनर्विचार याचिका दाखिल कर सकते थे। संविधान पीठ कोई राजनीतिक संगठन नहीं है, जिसके खिलाफ 'भारत बंद' के जरिए विरोध-प्रदर्शन किया जाए। वह न्याय का सर्वोच्च और अंतिम मंच है। मोदी सरकार ने ऐसा कुछ किया नहीं है कि 'भारत बंद' का आह्वान किया जाता। पंजाब और हरियाणा में कुछ दलित जातियां ऐसी हैं, जिन्होंने 'भारत बंद' का समर्थन नहीं किया। वाल्मीकि और मजहबी सिख आदि आरक्षण के उप वर्गीकरण के पक्षधर हैं। दलित और आदिवासियों को एहसास होना चाहिए कि उच्च जातियां उनके आरक्षित पदों को नहीं हड़प रही हैं, बल्कि ऐसे पद भरे ही नहीं जा रहे हैं। आरक्षण में भी कुछ जातियों का वर्चस्व है, जो कमोबेश 50 फीसदी तक आरक्षण वसूल कर लेती हैं और छोटी, हाशिए पर पड़ी जातियां खाली हाथ ही रहती हैं।

लघु व्यपारियों ने एसएनए को सौंपा पांच सूत्रीय मांग पत्र

हरिद्वार। लघु व्यापार एसोसिएशन ने सहायक नगर आयुक्त से मिलकर चार वेंडिंग जोनों में सभी लाभार्थियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के साथ इन जोनों के सभी लाभार्थी गुरुवार को सहायक नगर आयुक्त रविंद्र दयाल से मिले। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन ने पूर्व के पंजीकृत लघु व्यापारियों को वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित और स्थापित किया था। कांवड़ मेले में महिला पिंक वेंडिंग जोन को रोड़ी बेलवाला से हटाकर दूसरे स्थान पर स्थापित किया गया है। इससे लाभार्थी सभी महिलाओं का कारोबार संचालित नहीं हो पा रहा है।

संक्षिप्त खबरें

वन्यजीव फोटोग्राफर बिलाल खान ने राज्यपाल से भेंट कर ''सफरनामा'' पुस्तक भेंट की

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) से गुरुवार को राजभवन में वन्यजीव फोटोग्राफर बिलाल खान ने मुलाकात कर ''सफरनामा'' पुस्तक भेंट की। इस पुस्तक में उनके द्वारा भारत के 18 प्रदेशों में स्थित 54 टाइगर रिजर्व के बारे में जानकारी दी गई है। उनके द्वारा सभी टाइगर रिजर्व में भ्रमण कर वहां से फोटोग्राफ्स और जानकारी को संकलित किया गया। राज्यपाल ने इस पुस्तक में संकलित किए गए फोटो और जानकारी की सराहना की।

आप ने सीएम को लिखा पत्र

हरिद्वार। आवास विभाग की ओर से 25 फीट तक की चौड़ी सड़कों पर अधिकतम दो तल और 30 फीट तक की चौड़ी सड़कों पर अधिकतम तीन तल ही पास करने का नियम लागू कर दिया है। आम आदमी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष संजय सैनी ने कहा कि इस नियम के लागू होने से लोगों का शोषण हो रहा है। साथ ही अवैध निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। संजय सैनी ने बताया कि आप ने व्यवहारिकता की क्रांति के तहत मुख्यमंत्री को इस नियम के खिलाफ आपत्ति प्रेषित की है। साथ ही इस नियम को खत्म कर पूर्व के नियम को ही लागू करने की मांग भी की है।

दो दोपहिया वाहन चोरी

हरिद्वार। ऋषिकुल मैदान में चल रहे मेले से मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई। मेले में सिक्योरिटी गार्ड के तैनात होने पर भी दोपहिया वाहन चोरी होने पर कई सवाल खड़े हो रहे है। स्थानीय पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी गई शिकायत में मनीष भंबरी पुत्र गिरधारी निवासी मधु विहार कॉलोनी जमालपुर कलां कनखल ने बताया कि 20 अगस्त को ऋषिकुल मैदान में चल रहा मेला देखने पहुंचा था। आरोप है कि वापस लौटने पर देखा किउसकी मोटरसाइकिल गायब थी। उधर, मटरू सिंह पुत्र सुखलाल सिंह निवासी करनवाला ठाकुरद्वारा मुदाराबाद यूपी की मोटरसाइकिल 19 अगस्त की सुबह हाथी पुल के पास रोड़ीबेलवाला मैदान में खड़ी थी, जहां से चोरी कर ली गई। कोतवाली प्रभारी कुंदन सिंह राणा ने बताया कि मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एंबुलेंस की चपेट में आकर युवक की मौत

हरिद्वार। बहादराबाद थाना क्षेत्र के शनि मंदिर के पास मंगलवार देर रात एंबुलेंस की चपेट में आकर बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों की ओर से शिकायत आने के बाद एंबुलेंस चालक के खिलाफ अज्ञात में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक हादसा मंगलवार की रात का हुआ, जब एक बाइक सवार युवक को पीछे से तेज गति से आ रही एबुलेंस ने शनि मंदिर के नजदीक साइड मार दी। साइड लगने से बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गया। घटना की जानकारी राहगीरों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। उसकी गंभीर हालत देखते हुए चिकित्सको ने उसे हायर सेंटर एम्स रेफर किया। जहां इलाज के दौरान जय कुमार पुत्र सुरेश कुमार निवासी ब्रह्मपुरी लक्सर की मौत हो गई। भाई विजय कुमार की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि केस दर्ज कर लिया गया है।

स्कूलों में बच्चों को बांटे टिफिन

हरिद्वार। पूर्व विधायक संजय गुप्ता ने खड़खड़ी क्षेत्र के ग्रीन फिल्ड, शंकर पुरी, प्रेमचंद तिवारी पब्लिक स्कूल आदि स्कूलों में टिफिन वितरित किए। इस मौके पर संजय गुप्ता ने बच्चों को स्कूल में रोज आने और पढ़ने लिखने के लिए प्रेरित किया गया। संजय गुप्ता के द्वारा किये गये इस कार्य की स्कूलों के शिक्षकों व स्थानिय नागरिकों ने भी प्रसंशा की। पूर्व में भी संजय गुप्ता ने विभिन्न स्कूलों मे पाठ्य सामग्री, स्कूल बेग आदि वितरित किए थे। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता गौरव सावंत, सन्नी राणा, राजकुमार अग्रवाल, संदीप चौधरी, अंशुल बाला, शुभम नौटियाल, आंसू गोयल आदि मौजूद रहे।

रोहित शर्मा की तरह छक्के मारती है ये पहाड़ी लड़की, ऑस्ट्रेलिया को उसी के घर में धुन डाला

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 23 अगस्त : उत्तराखंड की बेटियाँ आज हर क्षेत्र में देवभूमि का नाम रौशन कर रही हैं। चाहे पढ़ाई हो, एथलेटिक्स हो, स्वरोजगार हो या नौकरी हर क्षेत्र में पहाड़ की बेटियों का हुनर पूरी दुनिया देख रहा है। भारतवर्ष का सबसे लोकप्रिय खेल क्रिकेट फिर कैसे अछूता रह सकता है, क्रिकेट में भी स्नेह राणा, एकता बिष्ट जैसी कई महिला खिलाड़ी पहाड़ से निकल कर दुनिया में नाम कमा रही हैं।

उत्तराखंड की एक और बेटी का नाम इस समय बड़े-बड़े क्रिकेटरों की जुबान पर है। राघवी बिष्ट जी हां, वर्ष 2022 के महिला अंडर-19 एकदिवसीय टूर्नामेंट में दोहरा शतक लगा कीर्तिमान बना चुकी इस बेटी ने अभी-अभी ऑस्ट्रेलिया में हुई तीन एकदिवसीय मैचों की श्रंखला में शानदार प्रदर्शन किया है। इस पूरी श्रंखला में राघवी ने हर मैच में भारतीय टीम की ओर से सर्वाधिक रन बनाए। टिहरी जिले के चंगोरा गांव की रहवासी राघवी बिष्ट की शानदार बैटिंग की मदद से इंडिया A टीम ने तीसरे मैच में पहले दो मैच हारने के बाद भी 171 रन से बड़ी जीत दर्ज की।

उत्तराखंड के टिहरी जिले की राघवी बिष्ट, रोहित शर्मा की बड़ी फैन हैं। वो भारतीय टीम के हिटमैन की तरह ही लम्बे छक्के लगाने में माहिर हैं। राघवी कहती हैं कि उन्होंने रोहित शर्मा को देखकर ही पुल शॉट मारना सीखा है और इस मामले वो उनके गुरु हैं। यही नहीं, वो आगे कहती हैं कि जब वो अपनी इनिंग में छक्के नहीं मार पातीं तो उन्हें ऐसा लगता है कि उन्होंने खराब बैटिंग की है और ठीक से नहीं खेला।

राघवी कहती हैं कि देश के लिए खेलना उनका सबसे बड़ा सपना है। ऑस्ट्रेलिया A के खिलाफ भारतीय टीम ने जो तीन एकदिवसीय मैच खेले उनमें राघवी ने 82 रन, 70 रन और 53 रनों की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। राघवी बिष्ट ने इस सीरीज में तीन मैच खेले, कुल 205 रन बनाये जिनमे उनका रिकॉर्ड देखने लायक है। राघवी का एवरेज 68.33 और स्ट्राइक रेट 79.15 का रहा। इसमें 3 अर्धशतक रहे और सर्वाधिक स्कोर 82 रनों का रहा। उम्मीद है उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल जिले के चंगोरा गांव की ये लड़की जल्द ही भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल होंगी।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। फ़ोन : 0135-4066790, 2672002
RNI No. : UTTHIN/2012/44094 Cert. Ser. No. : 31406 E-mail : dainiknewsvirus@gmail.com
Website : www.newsvirusnetwork.com YouTube : TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

महिलायें कब तक अत्याचार सहेंगी : ज्योति रौतेला

- देहरादून में महिला कांग्रेस का ज़ोरदार मशाल जुलूस प्रदर्शन
- प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने गिनाये महिला अपराध के आंकड़े

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 23 अगस्त , उत्तराखण्ड प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष ज्योति रौतेला की अगुवाई में राज्य में लगातार हो रहे महिलाओं के साथ बलात्कार, हत्या, उत्पीड़न एवं अत्याचार के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय से घण्टाघर होते हुए कांग्रेस भवन तक मशाल जूलूस निकालकर राज्य सरकार से दरिन्दों के खिलाफ कडी कार्यवाही करने की मांग की गई। इस दौरान ज्योति रौतेला ने कहा कि आंखिर कब तक महिलायें अत्याचार सहती रहेंगी। उन्होंने कहा भाजपा सरकार का बेटी पढाओं बेटी बचाओं का नारा खोखला सावित हुआ है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने खोखला नारा देकर महिलाओं को ठगने का काम किया है। उन्होंने कहा कि बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था, महिलाओं व नाबालिग बच्चियों के विरूद्ध हो रही हिंसा, बलात्कार व जघन्य हत्याओं की घटनाओं को लेकर चिंता प्रकट करते हुए अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होने कहा कि भ्रष्टाचार और भयमुक्त सरकार देने के अपने वायदे पर अमल करने में सरकार पूरी तरह नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के साढे सात के कार्यकाल में राज्य में हत्या, चोरी, डकैती, महिलाओं की हत्या, मासूमों से बलात्कार जैसे जघन्य अपराधों की घटनाओं में भारी वृद्धि हुई है। राज्य में लगातार घट रही इन घटनाओं से गिरती कानून व्यवस्था उजागर होने के साथ-साथ राज्य की अस्मिता पर भी चोट पहुंची है। राज्य की जनता में भय का वातावरण व्याप्त है तथा आमजन विषेशकर महिलाएं अपने को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। राज्य में विगत एक माह के अन्तर्गत घटित जघन्य अपराधों से सम्बन्धित विभिन्न घटनाओं का आंकड़ा सामने रखा।

महिला कांग्रेस के मुताबिक 27 मार्च, 2022 को जनपद बागेश्वर के कपकोट में 12 साल की नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के प्रयास की घटना। 2 अप्रैल, 2022 को जनपद उधमसिंहनगर के काशीपुर में नाबालिग से दुष्कर्म के प्रयास की घटना। 5 अप्रैल, 2022 को जनपद उधमसिंहनगर के गदरपुर में युवक की गोली मार कर हत्या। 2 अप्रैल, 2022 को जनपद चमोली के थराली में नाबालिग से छेडछाड की घटना। 13 अप्रैल, 2022 को जनपद पिथौरागढ़ के झूलाघाट में हत्या की घटना। 14 अप्रैल, 2022 को देहरादून के जाखन स्थित लॉज में महिला की हत्या हुई।

वहीं 14 अप्रैल, 2022 को जनपद उधमसिंहनगर के किच्छा में साढे तीन साल की बच्ची की दुष्कर्म के उपरान्त हत्या। 14 अप्रैल 2022 को रूद्रपुर में एक व्यक्ति की हत्या। 14 अप्रैल, 2022 को कांग्रेस पार्टी के पूर्व विधायक संजीव आर्य पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला, चम्पावत में महिला का बलात्कार, हरिद्वार में दलित महिला का बलात्कार के बाद हत्या करना, रूद्रपुर में एक नर्स के साथ बलात्कार के बाद हत्या, देहरादून आईएसबीटी में सामूहिक बलात्कार, पिथौरागढ में महिला के साथ छेड़छाड करने का मामला भी सामने आया हैं और भाजपा अपनी विफलता को छुपाने के लिए अनर्गल बयान बाजी कर जनता का ध्यान भटकाने का काम कर रही है। इस अवसर पर महानगर कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष उर्मिला थापा, चन्द्रकला नेगी, पुष्पा पंवार, निधि नेगी, अनुराधा तिवाडी, सुशीला शर्मा, अनीता दास, अनशुल त्यागी, पायल बहल, दीपा चौहान, अमिता चौहान, देवेन्द्र कौर, अमृता कौशल, अनिता दास, घनी माला, सन्धा थापा, रश्मि देवराडी, कुसुम, नूतन, अनुराधा, शकुन्तला, अनिता कोहली आदि सैकडों कार्यकर्ता उपस्थित थे

फरार चल रहे वारंटियों को पौड़ी पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा सलाखों के पीछे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जमानती वारण्ट (N.B.W) की शत प्रतिशत तामील कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किये जाने हेतु कड़े निर्देश दिये गये हैं जिसके क्रम में कोतवाली कोटद्वार पुलिस टीम द्वारा माननीय न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट कोटद्वार द्वारा जारी वा0स -2277/2018, धारा-138 एनआई एक्ट से सम्बंधित विनय चन्दौला को दुग्डा बाजार से व वा0स0-2776/2023, धारा-138 एनआई एक्ट से सम्बन्धित मनीष सैनी को गिरफ्तार कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गयी। नाम पता वारण्टी अभियुक्त1. विनय चन्दौला पुत्र हरिप्रसाद चन्दोला,निवासी- दुकान-मैमर्स, विनय चन्दौला, फुटवियर, मेन मार्केट, पोखाल, पौड़ी गढ़वाल।2. मनीष सैनी पुत्र रामगोपाल सैनी, निवासी-लक्ष्मी वैडिंग प्वांइट, बड़थ्वाल कॉलोनी, बालासौड़, कोटद्वार।पुलिस टीम : 1. उपनिरीक्षक मेहराजुद्दीन 2. उपनिरीक्षक संजय रावत 3 मुख्य आरक्षी हर्षवर्धन 4. आरक्षी संतराम चौहान 5. आरक्षी शादाब अली 6. आरक्षी पवनीश कवी

खराब स्ट्रीट लाइट ठीक करने की मांग की

देहरादून। नगर निगम चंद्रबनी वार्ड के निवर्तमान पार्षद सुखबीर सिंह बुटोला ने आरोप लगाया कि उनके वार्ड में पिछले आठ महीने से सफाई व्यवस्था पटरी से उतर गई है। जिस कारण वार्डवासियों को परेशानियां झेलनी पड़ रही है। वार्ड में कई स्ट्रीट लाइटें खराब हैं, रात में लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि इसकी शिकायत कई बार नगर निगम से की जा चुकी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने नगर निगम से शीघ्र ही सफाई व्यवस्था में सुधार के साथ ही स्ट्रीट लाइट को ठीक करने की मांग की है।

गैंगरेप के आरोपी ड्राइवर-कंडक्टर बर्खास्त

देहरादून। रोडवेज प्रबंधन ने बस में किशोरी के साथ गैंगरेप के आरोपी विशेष श्रेणी के ड्राइवर-कंडक्टर को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। इस घटना के पांच आरोपियों में एक नियमित कंडक्टर को पहले ही सस्पेंड किया जा चुका है। जबकि अनुबंधित बसों के दो ड्राइवरों की सेवाएं भी समाप्त कर दी गई हैं। बीते सप्ताह आईएसबीटी परिसर में उत्तराखंड रोडवेज की बस में किशोरी के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। इस मामले में पुलिस ने पांच ड्राइवर और कंडक्टर गिरफ्तार किए गए हैं। रोडवेज की मंडलीय प्रबंधक (संचालन) पूजा केहरा ने बताया कि गुरुवार को विशेष श्रेणी के कंडक्टर देवेंद्रपाल और ड्राइवर राजपाल सिंह को नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। जबकि नियमित कंडक्टर राजेश सोनकर को घटना सामने आने के तत्काल बाद सस्पेंड कर दिया गया था। इसके अलावा अनुबंधित बस के ड्राइवर रवि कुमार और धमेंद्र कुमार की सेवा भी पहले ही समाप्त कर दी गई थी।

दून अस्पताल में खुलेगा गेट नंबर छह

देहरादून। दून अस्पताल में गेट नंबर छह को खोला जाएगा। प्राचार्य डॉ. गीता जैन ने यहां का निरीक्षण कर बेकार पड़े सामान को हटाने एवं इमरजेंसी की स्थिति में निकासी को इसे खोलने को निर्देशित किया। यह गेट पिछले काफी दिनों से बंद पड़ा है। इसके सामने लोग गाड़ी खड़ी करके भी चले जाते हैं। इस दौरान एमएस डॉ. अनुराग अग्रवाल, डीएमएस डॉ. धनंजय डोभाल आदि रहे। कोरोनेशन अस्पताल में बनेगी पुलिस चौकी: कोरोनेशन अस्पताल में जल्द पुलिस चौकी बनेगी। अस्पताल एवं पुलिस में इसको लेकर वार्ता हो गई है। पीआरओ प्रमोद पंवार ने बताया कि एसएसपी अजय सिंह के निर्देश पर बुधवार से दो महिला एवं दो पुरुष सिपाही अस्पताल में ड्यूटी को आ गए हैं।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार कटिबद्धः अग्रवाल

देहरादून। सरकार ने स्पष्ट कहा कि भ्रष्टाचार राज्य में कतई स्वीकार्य नहीं है। सरकार भ्रष्टाचार को रोकने के लिए निश्चित रूप से कटिबद्ध है। सतर्कता विभाग द्वारा वर्ष 2021 से अब तक ट्रैपिंग के विभिन्न मामलों में 58 लोगों को गिरफ्तार किया है।

गुरुवार शून्यकाल में खानपुर विधायक उमेश कुमार ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर संसदीय कार्यमंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ शिकायतों पर कार्रवाई के लिए विभिन्न मंच तैयार किए हैं। इसके तहत विभिन्न हेल्पलाइन नंबर पर मिलने वाली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाती है। जनशिकायतों की सुनवाई के लिए हेल्पलाइन 1905 पर ही जनता ने 5.67 लाख शिकायत दर्ज कराई। जिनमें 4.5 लाख का समाधान भी किया जा चुका है। उमेश कुमार ने राज्य गठन से अब तक विभिन्न मामलों को उठाते हुए गुप्ता बंधुओं का मामला उठाया था।

उन्होंने उनके खिलाफ सीबीआई ओर ईडी की जांच कराने की मांग की थी। संसदीय कार्यमंत्री के बयान से असंतुष्ट उमेश कुछ देर के लिए वेल में भी आए और विरोध जताया। संसदीय कार्यमंत्री के जवाब से संतुष्ट विस अध्यक्ष ऋतु खंडूडी ने उमेश की सूचना को अस्वीकार कर दिया।

संक्षिप्त खबरें

मुस्लिम समुदाय 25 को दून में निकालेगा रैली

देहरादून। इस्लाम धर्म के पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ लगातार अभद्र टिप्पणी के विरोध में मुस्लिम समुदाय ने 25 अगस्त को दून में बड़ी रैली निकालने का एलान किया है। शहर काजी मौलाना मोहम्मद अहमद कासमी की अध्यक्षता में उलमा एवं जिम्मेदार लोगों की एक बैठक हुई। जिसमें कहा गया कि आए दिन कोई भी मोहम्मद साहब पर अभद्र टिप्पणी कर देता है। लेकिन सिस्टम कार्रवाई नहीं करता है, ताजा मामला महाराष्ट्र का है, इसमें सरकार द्वारा संबंधित के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही है। मुस्लिम सेवा संगठन के उपाध्यक्ष आकिब कुरैशी ने बताया कि मुस्लिम सेवा संगठन, जमीयत उलेमा ए हिंद, तंजीम आईमा ए मस्जिद समेत विभिन्न सामाजिक एवं सियासी संगठनों के साथ मिलकर 25 अगस्त को परेड ग्राउंड से डीएम कार्यालय तक रैली निकाली जा रही है।

नगर निगम के वार्ड परिसीमन पर जताई आपत्ति

देहरादून। नगर निगम में वार्डों के परिसीमन को लेकर आपत्तियां बढ़ती जा रही है। कई वार्डों में लोग नए परिसीमन को लेकर संतुष्ट नहीं है। बंजारावाला वार्ड से जुड़ी कई कॉलोनियों को अलग-अलग तीन वार्डों में शिफ्ट करने का स्थानीय लोगों ने विरोध किया है। श्रीदेव भूमि जनविकास समिति के संयोजक सुशील सक्सेना ने कहा कि वार्ड नंबर 84 का परिसीमन किया गया है। इस वार्ड के कन्हैया विहार, कारगी, शांति विहार, आदर्श कालोनी, सचिवालय सहकारी आवासीय कॉलोनी, शिवालिक एनक्लेव, आजाद विहार, सैंडल वुड स्कूल, कालिका विहार, मदीना मस्जिद, बड़ी मस्जिद मुस्लिम कॉलोनी, औघड़ बाबा, चाचक चौक को तीन वार्डों में बांटा गया। लोग नए परसीमन से संतुष्ट नहीं है। इससे विकास प्रभावित होगा। मांग की है कि इस क्षेत्र को जनसंख्या और क्षेत्रफल के हिसाब से अलग वार्ड बनाया जाए।

लोक सेवा आयोग से होगी अशासकीय स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती: धन सिंह

देहरादून। गैरसैंण। अशासकीय स्कूलों में शिक्षक-कर्मचारियों की नियुक्ति की प्रक्रिया को सरकार लोक सेवा आयोग और अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के जरिए कराएगी। गुरुवार को प्रश्नकाल में शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत ने यह ऐलान किया। उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी के अशासकीय स्कूलों के 426 तदर्थ शिक्षकों के नियमितीकरण से जुड़े सवाल का जवाब हुए शिक्षा मंत्री रावत ने यह जानकारी दी। कापड़ी के सवाल के साथ विधायक रवि बहादुर, सुमित हृदयेश और विनोद चमोली के अनुपूरक सवालों के जवाब में शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार अशासकीय स्कूलों की नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना चाहती है।कहा कि वर्तमान में नियुक्तियों का अधिकार स्कूल की प्रबंध कमेटी के पास है। कुछ जगहों से नियुक्तियों को लेकर शिकायतें भी मिली हैं। इसलिए सरकार अशासकीय स्कूलों की नियुक्तियों को लोक सेवा आयोग के जरिए कराने पर विचार कर रही है। इस पर चमोली ने पूछा कि आयोग से नियुक्तियां कराना चाहते हैं तो कब तक कराएंगे? यह भी स्पष्ट कर दिया जाए। इस पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि जल्द से जल्द इसकी प्रक्रिया शुरू की जाएगी। डा. रावत ने कहा कि अशासकीय स्कूलों के तदर्थ शिक्षकों के नियमितीकरण का मसला कोर्ट में लंबित है। हाईकोर्ट जो भी फैसला करेगा, सरकार उस निर्णय का पालन करेगी।

आरटीआई एक्ट को लेकर चलेगा प्रदेश स्तरीय अभियान

देहरादून। सूचना आयोग सूचना अधिकार दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश स्तरीय अभियान चलाएगा। इसमें हर माह विभागवार दो कार्यशालाओं का आयोजन होगा। विधि कालेजों, उच्च शिक्षण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्रभारी मुख्य सूचना आयुक्त विवेक शर्मा ने गुरुवार को सूचना आयोग में हुई प्रेसवार्ता में यह जानकारी दी। शर्मा ने बताया कि आरटीआई दिवस पर बेहतर कार्य के लिए पांच लोक सूचना अधिकारियों, तीन अपीलीय अधिकारियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा। साथ ही राज्य स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता एवं परिचर्चा भी आयोजित होंगी। सूचना अधिकार को लेकर सकारात्मक वातावरण बनाने, आमजन की जागरूकता के लिए यह पहल की जा रही है।